दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 03
अंकः-326
मुरादाबाद
18 March 2024
(Monday)
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

चुनाव के एलान के बाद आंध्र में गरजे पीएम 'BJP नफरत फैलाती है तो इसका आधार जरूर होगा, न्याय संकल्प पदयात्रा में राहुल गांधी

मोदी, बोले- तीसरे कार्यकाल में होंगे बड़े निर्णय

पीएम मोदी ने कहा कि देश में 'अबकी बार 400 पार' का नारा चल रहा है। पिछले 10 सालों में आंध्र प्रदेश में एनडीए की यह पहली रैली है। चुनाव आयोग ने शनिवार को आम चुनाव की तारीखों का एलान कर दिया है। चुनाव तारीखों के एलान के बाद पीएम मोदी ने आंध्र प्रदेश के पलनाडु में एनडीए गठबंधन की पहली रैली में शिरकत की। खास बात यह है कि इस रैली में पीएम मोदी के साथ ही एनडीए में शामिल टीडीपी के चीफ चंद्रबाबू नायडू और जन सेना पार्टी के चीफ पवन कल्याण भी मौजूद रहे।तीसरे कार्यकाल में होंगे बड़े निर्णय- पीएम मोदी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि तीसरे कार्यकाल में बड़े निर्णय लिए जाएंगे। विकसित भारत के लिए इस बार एनडीए 400 पार जाएगी।' उन्होंने कहा कि 'आंध्र प्रदेश को शिक्षा का केन्द्र बनाया जाएगा। कांग्रेस पर साधा निशाना-पीएम मोदी ने कहा कि एनडीए में हम सबको साथ लेकर चलते हैं, लेकिन दूसरी तरफ कांग्रेस पार्टी का एक ही एजेंडा है %गठबंधन के लोगों को इस्तेमाल करो और फेंक दो।% उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस ने भले ही INDI गठबंधन बना लिया हो, लेकिन उनकी सोच वही है।एनडीए की ताकत बढ़ रही है- पीएम मोदी रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि देश कह रहा है 'अबकी बार 400 पार'। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में हमारे सहयोगी लगातार बढ़ रहे हैं। एनडीए की ताकत बढ़ रही है। चंद्रबाबू नायडू और पवन कल्याण लंबे समय से आपके अधिकारों और आंध्र प्रदेश के विकास के लिए लगातार काम कर रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि एनडीए का लक्ष्य विकसित भारत के लिए विकसित आंध्र प्रदेश का निर्माण करना है।

आंध्र को शिक्षा का केन्द्र बनाएंगे- पीएम मोदी पीएम मोदी ने कहा कि आंध्र प्रदेश में केंद्र सरकार की योजनाओं को बेहतर तरीके से लागू करने के लिए जनता को एनडीए सांसदों और विधायकों को जिताना होगा। एनडीए के सभी सांसद और विधायक जनता के लिए बहुत मेहनत से काम करेंगे। उन्होंने कहा कि आंध्र को शिक्षा का केन्द्र बनाएंगे। ये मोदी की गारंटी है।आंध्र प्रदेश नशे का गढ़ बन गया है- पवन कल्याण इससे पहले जन सेना पार्टी की अध्यक्ष पवन कल्याण ने दावा किया कि '2024 में भी एनडीए सरकार बनाएगी।' उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है। पवन कल्याण ने वाईएसआर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जगन मोहन रेड्डी ने आंध्र प्रदेश को शराब और नशे का गढ़ बना दिया है। आंध्र प्रदेश में पिछले 10 वर्षों में एनडीए यह पहली संयुक्त रैली है। आंध्र प्रदेश में 13 मई को एक चरण में लोकसभा और सभी विधानसभा सीटों के लिए चुनाव होंगे।

संक्षिप्त समाचार

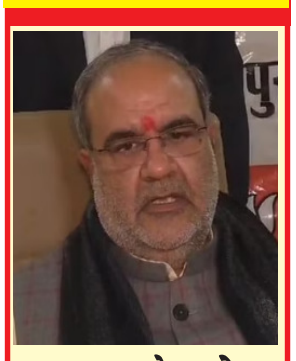

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बोले- फिर से मोदी सरकार बनाने में जुटेंगे कार्यकर्ता

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में भारत ने प्रत्येक क्षेत्र में ऐतिहासिक प्रगति की है। भाजपा का कार्यकर्ता उन्हें फिर से प्रधानमंत्री बनाने के लिए पूरी ताकत से जुटेगा।भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र का उत्सव होने जा रहा है। जिसमें फिर से मोदी सरकार बनाने के लिए भाजपा कार्यकर्ता पूरी ताकत से जुटेंगे।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में भारत ने प्रत्येक क्षेत्र में ऐतिहासिक प्रगति की है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पूरे देश को अपना परिवार मानने वाले प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार का पिछला एक दशक सुशासन, सुरक्षा, विकास और गरीब कल्याण को समर्पित रहा है।इस अवधि में हर वर्ग के कल्याण के लिए काम हुआ है। सरकार की प्रत्येक नीति में सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की सोच स्पष्ट दिखाई दी है। योजनाओं और नीतियों का लाभ प्रत्येक वर्ग को बिना भेदभाव के मिला है।

सीएम योगी ने पूर्व मुख्यमंत्री स्व. हेमवती नंदन बहुगुणा को दी श्रद्धांजलि, प्रतिमा पर माल्यार्पण किया

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व मुख्यमंत्री स्व. हेमवती नंदन बहुगुणा को योजना भवन स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी और उन्हें याद किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमवती नंदन बहुगुणा की पुण्यतिथि पर रविवार को श्रद्धांजलि अर्पित की। सीएम योगी ने योजना भवन स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कियाइस अवसर पर कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, महापौर सुषमा खर्कवाल, प्रयागराज की सांसद डॉ. रीता बहुगुणा जोशी, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र आदि मौजूद रहे। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्हें याद करते हुए लिखा कि प्रख्यात स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. हेमवती नंदन बहुगुणा जी की पुण्यतिथि के अवसर पर विनम्र श्रद्धांजलि एवं उनकी स्मृतियों को कोटि-कोटि नमन।

निरहुआ का अखिलेश पर निशाना: महिलाओं की गारंटी है, फिर मोदी सरकार बनेगी... गीत के साथ यादवों पर कही बात

देखो तीसरी बार बनेगी, अबकी 400 पार करेगी, महिलाओं की गारंटी है फिर मोदी की सरकार बनेगी गीत गाते हुए निरहुआ ने कहा इस गाने के आगे इस बार कुछ नहीं चलेगा। इस दौरान उन्होंने टिकट बंटवारे पर अखिलेश यादव पर निशाना भी साधा। देखो तीसरी बार बनेगी, अबकी 400 पार करेगी, महिलाओं की गारंटी है फिर मोदी की सरकार बनेगी, युवाओं की गारंटी है फिर मोदी सरकार बनेगी। पिछली बार की तरह इस बार भी दिनेश लाल यादव निरहुआ ने गीत तैयार किया है। जिसे एक निजी कार्यक्रम में उन्होंने गुनगुनाया। इसके साथ ही को आजमगढ़ लोकसभा मैदान में उतारने पर कटघरे कि विजय लाल यादव गुरु हैं। समाजवादी पार्टी रहा था उनको लगता है कि को लड़ाना था तो विजय विजय लाल यादव हमारे हैं। उन्होंने ही कहा है कि यह द्रोणाचार्य भी सामने आएं सामने से भीष्म पितामह हमने अपने गुरु विजय

उन्होंने अखिलेश यादव सीट से धर्मेंद्र यादव को में खड़ा किया। उन्होंने कहा बहुत बड़ा नाम है, वह हमारे को कोई यादव नहीं मिल पूर्वांचल में किसी यादव लाल यादव को ही लड़ाते। बड़े भाई हैं वह हमारे गुरु धर्मयुद्ध है, युद्ध में अगर तो लड़ना है, कृपाचार्य या आएं तो भी लड़ना है। यह लाल यादव से ही सीखा है कि धर्मयुद्ध में हमें पीछे नहीं हटना है।धर्मेंद्र यादव को प्रत्याशी बनाने के सवाल और उनसे मिलने वाली चुनौती पर निरहुआ ने कहा कि हमें लग रहा था कि वह इतना गहन मंथन कर रहे हैं तो कुछ अच्छा निर्णय लेंगे। लेकिन मुझे लगता है कि अगर आजमगढ़ में समाजवादी पार्टी को किसी यादव को लड़ाना था तो आजमगढ़ और पूर्वांचल में बहुत से यादव हैं। लेकिन उन्हें अपने परिवार से बाहर कोई यादव दिखता ही नहीं है। 2022 में जनता ने उन्हें जवाब दिया था। अखिलेश यहां से नहीं लड़ रहे हैं यह उनका निर्णय सही है। क्योंकि वह अगर लड़ते और जीतते तो फिर सीट खाली कर चले जाते। इसके कारण फिर उपचुनाव होता। पिछले चुनाव में निरहुआ ने धर्मेंद्र यादव का कैरियर खत्म करने का आरोप अखिलेश पर लगाया था। इस सवाल पर उन्होंने कहा कि धर्मेंद्र कहीं से भी चुनाव लड़कर जीत सकते हैं फिर उन्हें यहां क्यों भेजा जा रहा है। रही बात गुड्डू जमाली के सपा में जाने की तो किसी एक व्यक्ति के जाने से कोई फर्क नहीं पड़ता है।

संकल्प पदयात्रा में राहुल गांधी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी मुंबई में मणि भवन से अगस्त क्रांति मैदान तक न्याय संकल्प पदयात्रा कर रहे हैं। इस दौरान उनकी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा भी मौजूद हैं। बीएमसी ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा के लिए मुंबई में कांग्रेस नेता राहुल गांधी का स्वागत करने के लिए लगाए गए बैनरों को हटा दिया। वीडियो कुर्ला (डब्ल्यू) एलबीएस रोड मुंबई का है।नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने कहा, यह अच्छी बात है कि राहुल गांधी ने पहले उत्तर से दक्षिण की यात्रा की और बर्फबारी के दौरान कश्मीर पहुंचे। अब, वह पूर्व से शुरू होने के बाद पश्चिम पहुंच रहे हैं। वह देश को एकजुट करने और भारत के धर्मनिरपेक्ष चरित्र और परंपरा को मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, भारत जोड़ो न्याय यात्रा कल रात पूरी हो गई। मुंबई में डॉ. बीआर आंबेडकर के स्मारक चैत्यभूमि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करके अपनी 63 दिवसीय भारत जोड़ो न्याय यात्रा का समापन किया। ऐसे समय पर जब हमारे संविधान पर हमला हो रहा, उस समय राहुल और 70 लोगों ने संविधान की प्रस्तावना पढ़ी। यात्रा 6000 किलोमीटर से अधिक के मार्ग के साथ 106 जिलों से होकर निकली। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा, आज इंडिया

गठबंधन की शिवाजी पार्क में एक बड़ी रैली होने वाली है। चुनाव की तारीखों की घोषणा हो गई है। न्याय यात्रा अभी समाप्त नहीं हुई है, राहुल गांधी ने कहा है कि जब तक देश के सभी जाति के लोगों को न्याय नहीं दिला सकेंगे तब यह लड़ाई जारी रहेगी। कांग्रेस नेता चरण सिंह सपरा ने बताया, ये इंडिया गठबंधन की रैली है, जिसमें इंडिया गठबंधन के सभी पार्टी के नेता, जहां-जहां गठबंधन की सरकारें हैं वहां के मुख्यमंत्री कांग्रेस पार्टी के मुख्यमंत्री आ रहे हैं। यहां से विपक्षी गठबंधन का एक चुनावी बिगुल बजेगा। कल चुनावों की घोषणा हुई है। कांग्रेस पार्टी ने 25 घोषणाएं की है

जिसे हम आगे जाकर अपने घोषणा पत्र में शामिल करेंगे। उन्होंने कहा, न्याय पाने वाले लोगों में से अधिकतम पांच प्रतिशत हैं। उनके लिए, अदालतें, सरकार और अन्य सभी संस्थान उनके लिए काम करते हैं। लेकिन अगर हम अन्य 90 प्रतिशत आबादी को देखें, तो वे अन्याय के कारण पीड़ित हैं। राहुल गांधी ने कहा, देश में जनता के साथ रोज अन्याय हो रहा है। देश में चंद अरबपतियों का लाखों-करोड़ों का कर्ज माफ हो जाता है, लेकिन किसानों का एक रुपया माफ नहीं होता। उन्होंने कहा, हिंदुस्तान पहला देश है, जिसने आजादी की लड़ाई भी मोहब्बत के साथ लड़ी। मैं दक्षिण अफ्रीका गया तो नेल्सन मंडेला जी ने यही कहा कि हमें आजादी की राह गांधी जी और हिंदुस्तान ने दिखाई है। राहुल गांधी ने पदयात्रा के दौरान लोगों से कहा, मेरे मन में सवाल आया कि अगर भारत मोहब्बत का देश है तो नफरत क्यों फैलाई जा रही है? इतना आसान नहीं होना चाहिए नफरत फैलाना। हम कहते हैं कि भाजपा नफरत फैलाती है लेकिन इस नफरत का एक आधार तो जरूर होगा। फिर मुझे समझ आया कि इस नफरत का आधार अन्याय है। इस देश में हर दिन गरीबों, किसानों, दलितों, महिलाओं और युवाओं के साथ अन्याय हो रहा है।

BJP ने जारी की कांग्रेस नहीं होती तो क्या होता किताब, भड़के राउत, कहा- अगर भाजपा न होती तो...

देश को एकजुट रखने का श्रेय कांग्रेस को देते हुए राज्यसभा सांसद ने कहा कि अगर कांग्रेस नहीं होती तो देश को आजादी नहीं मिलती, देश को नेतृत्व नहीं मिलता।भाजपा ने हाल ही में एक पुस्तक कांग्रेस नहीं होती तो क्या होता जारी की है। इस पर जब उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट के नेता संजय राउत से पूछा गया तो उन्होंने जमकर भाजपा पर हमला किया। राउत ने दावा किया कि कांग्रेस के नेतृत्व के बिना देश ने स्वतंत्रता हासिल नहीं की होती और न ही विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में प्रगति होती।भाजपा कभी नहीं समझेगी-देश को एकजुट रखने का श्रेय कांग्रेस को देते हुए राज्यसभा सांसद ने कहा, %अगर कांग्रेस नहीं होती तो देश को आजादी नहीं मिलती, देश को नेतृत्व नहीं मिलता और विज्ञान एवं तकनीक के क्षेत्र में हमारी तरक्की नहीं होती। ऐसी बहुत सी बातें हैं जो भाजपा

कभी नहीं समझेगी क्योंकि वे देश के बारे में नहीं सोचते। वे केवल व्यापारियों के बारे में सोचते हैं।

उन्होंने कहा कहा कि कांग्रेस नहीं होती तो पाकिस्तान के दो टुकड़े नहीं होते। देश एकजुट नहीं रहता। अगर भाजपा नहीं होती तो... भाजपा पर हमलावर होते हुए राउत ने कहा, जिनके पास राजा होता है, उनकी प्रजा बीमारियों से पीड़ित होती है। भाजपा देश को गरीब बना रही है। अगर भाजपा नहीं होती तो दूसरी चीजें भी नहीं होतीं। देश में दंगे नहीं होते, देश का रुपया मजबूत होता और कर्ज कम होता। राफेल से लेकर चुनावी बॉन्ड तक कोई घोटाला नहीं होता। संजय राउत ने कहा, जिन लोगों ने चुनावी बॉन्ड खरीदा, जिन्होंने भाजपा के खातों में पैसा डाला, वे सभी अपराधी हैं और फरार हैं। हमें देखना होगा कि इसमें किसके नाम शामिल हैं। सीट बंटवारे पर राउत ने कहा कि यह कल तक तय हो जाएगा

संपादकीय Editorial

These tears at the court door

If the rights of the common man on the need of income certificate can be proved before the court and the ineffectiveness of the government's work culture, then the plight of the public can be imagined. The Honorable High Court has not made adverse comments on the working style of the Tehsildar of Ani, but has raised serious questions on the functionaries of the government system. The surprising thing is that despite all the guarantees, promises of good governance and new experiments every day, the pattern remains the same. Administrative hurdles were faced in the verification of income certificate of a woman, they could not even consider that this would bring disrepute to the work culture, system and government and an officer hid the order of the ADM Court under the carpet. The work which should have been done in the normal process at the lower level on December 22, 2022, is getting justice to be solved after one and a quarter year on the instructions of the High Court. The legitimate question here is that the rules and regulations of the administrative process have become so lax that the common citizen will have to seek higher standards of court process. If the governance and administration of Himachal continues in this head-rubbing character, then the needs of the society will be seen drenched in tears at the doors of the courts. Obviously, paying attention to the comments of the court, the state government will have to establish a new pattern of reforms and rules for making every office sensitive, functioning, transparent and accountable in terms of administrative reforms. Of course, the previous government organized an endless series of public forums or the present government started the continuous recitation of 'Sarkar Gaon Ke Dwar', but if it does not reach the ears of the administration, then what is the need for such schemes. If the government takes cognizance of the experiences of common citizens in cases stuck in the courts, it will be known how much pain is flowing through the holes in the system. It is surprising that the state which talks only about the interests of the employees from its election promises to the intentions of the government, has so many thorns hidden in its administrative bed. More or less, the situation is the same with public services, local bodies and development works. In fact, we are seeing the flag of administrative work and system in political domination and in exchange of power, we try to teach a lesson to the employees and officers with the weapon of transfer. We cannot discipline and enable politics and administration in the same uniform. The reason for changing the officers and employees of the assembly constituencies of the nine MLAs who were recently disqualified could be that the administration is now run like the ownership of the leaders. Therefore, many times, instead of considering the complainant as a citizen, work is done by seeing him in the political arena. Another example of this can be seen in the conflict between the Mayor of Municipal Corporation Dharamshala and the Smart City Administration. According to the law, there should be a national form of administrative system, standards and monitoring under Smart City, but in the political arena, the Municipal Councilor or Mayor wants the status of Smart City projects under his ownership. The irony is that the common man is not even guaranteed his democratic rights, then who will provide him relief from his daily needs. It is the effect of administrative collusion with politics that the government work culture of Himachal is now presenting such officers in the service of leaders, who consider themselves safe by walking wearing crutches at every step. In the absence of a transfer policy, there is a cost for an honest officer to set an example

What will be the electoral impact of the Citizenship (Amendment) Act in the North-East?

There is a solid reason for the strongest opposition to this law in Assam, which has been struggling with the problem of infiltration for decades. Under this law, there is a provision to give Indian citizenship to people of Hindu, Sikh, Buddhist, Jain, Parsi and Christian communities who came to India from Pakistan, Bangladesh and Afghanistan before December 31, 2014. The BJP government at the Center had just before the Lok Sabha elections. The Citizenship (Amendment) Act has been implemented. But especially in view of its opposition in West Bengal and North-Eastern states, the debate is intensifying as to what and how much impact it will have in the upcoming elections. The party and the opposition are definitely making contradictory claims regarding this. But in the opinion of political analysts, there is a possibility of polarization of voters on religious basis due to this law. As soon as the notification regarding this was issued, protests against it started in the entire North-Eastern India including West Bengal. The difference is that in West Bengal the Mamata Banerjee government is against it and in the North-East students and social organizations and opposition political parties are against it. In Assam, its command is in the hands of the state's powerful student organization All Assam Students Union (AASU). Under its banner, copies of this law have been burnt and torch processions are being taken out. By the way, there is a solid reason for the strongest opposition to this law in Assam, which has been struggling with the problem of infiltration for decades. Under this law, there is a provision to give Indian citizenship to people of Hindu, Sikh, Buddhist, Jain, Parsi and Christian communities coming to India from Pakistan, Bangladesh and Afghanistan before 31 December 2014. The people of Assam fear that this will put the language, culture, history and identity of the Assamese people in danger due to the flood of refugees coming to the neighboring countries. It is important to mention here that even when this law was introduced in the Parliament about four years ago, there was massive violence and arson against it in Assam. Many people had died in it and the state was in the grip of curfew and unrest for a long time. Those opposing this law argue that it is a violation of the Assam Accord of 1985. The district is considered the lifeline of the people of the state. It was said in that agreement that after March 25, 1971, all the people who came to Assam illegally would be considered as infiltrators and would be expelled from the state. Organizations opposing this law fear that the new citizenship law will make the native population of the state a minority if the Hindu Bengalis coming from Bangladesh on a large scale get Indian citizenship. AASU President Utpal Sharma says that the Center has imposed the citizenship law in a dictatorial manner. This will prove to be a cause of destruction for the people of the entire North-East including Assam. In two other states of the region – Tripura and Meghalaya – students and social organizations have also taken to the streets in protest against this law. These organizations argue that due to the large number of people acquiring citizenship under the said law, the demographic balance in the area will be disturbed. In West Bengal, Chief Minister Mamata Banerjee has opposed this law, saying that it will interfere with the National Register of Citizens (NRC).) and she won't let it apply here. Mamta has called this law a game of re-partition of Bengal. Mamta is trying to make this law and the alleged loss caused by it as her main election issue. Through this, their aim is to make a dent in BJP's Matua vote bank. In fact, after this law was passed in Parliament in the year 2019, BJP had to face defeat in three by-elections held in West Bengal. Its effect in the form of polarization was also visible on the 2021 assembly elections. Mamta is also linking this law with the National Register of Citizens (NRC) and saying that those applying for citizenship under it will sooner or later be thrown out of the country. However, there is a section in West Bengal which is very happy with the implementation of this law. Apart from North and South 24-Parganas districts, these people of Matua community also live in large numbers in Nadia district. This community, with a population of about three crores, is in a decisive position on at least 50 seats in the state assembly. This community is considered a supporter of BJP. This community was demanding citizenship law for a long time. According to analysts, the central government has tried to woo the Matua community of Bengal and Bengali Bindu voters in Assam through this law. According to the 2011 census, there are more than 70 lakh Bengali Hindus in Assam's population of 3.12 crore. Bengali Hindus are the second largest Hindu community in the state after Assamese Hindus. Keeping this danger in mind, BJP has started propagating that after the implementation of this law, there will be no danger to the Assamese people. Assam Chief Minister Himanta Biswa Sarma says that this law will not have much impact in the state. So far, not a single person has applied for citizenship under it. The opposition Congress in the Northeast and local tribal political parties in Tripura and Meghalaya have started capitalizing on this issue. Tipra Students Federation in Tripura argues that this law is against the interests of tribals. Due to this, people of this section will be forced to become strangers in their own home. All the tribal organizations in Meghalaya have united against this law. Political analysts say that it will not be easy for the government to deal with the opposition to this law in the northeastern states including Assam. Its effect on future people There is a possibility of it falling on assembly elections also. BJP is in power in most of the northeastern states including Assam. In such a situation, this law can create difficulties for him. However, Assam Chief Minister Himanta Biswa Sarma claims that this protest will have no impact on the elections.

Political funding: How will it be clear? Can something be done by increasing awareness and voting percentage?

Where do we stand in terms of political funding? Transparency alone is not enough in our country with expensive electoral process, hugely increasing expenses and lack of awareness among voters. The question is how will we clean the entire system. All over the world, whether advanced economies or small countries, political parties want money. They need money to reach out to voters, tell them about their policies, and get people's input. To do this, political parties of different countries take the help of political funding. Political parties can receive funding through a number of channels—from voluntary contributions by individuals and corporates, through membership campaigns or through state funding. The avenues are many, including contributions in the form of media coverage, space for political parties, and use of other resources. However one form of funding that contributes significantly to the coffers of political parties is corporate donations in various forms. There is a fear about corporate donations to political parties around the world that such donations may influence the decision-making process of governments. Whether in the US, UK, Canada or many other advanced economies, corporate donations are common, as are individual donations in the form of membership fees or other forms. In almost every country, a framework has been created by law through which political parties accept money to spend on election campaigns. And there is a limit as to how much candidates and political parties can spend in any election. Many corporates support select or multiple political parties in their countries, either to signal solidarity with the party's policies or to protect their interests regardless of the election outcome. But the role of corporate in this becomes doubtful, because often corporate donations are given with certain conditions. Often the funding situation is not clear, rather vested interests are hidden in it. For example, on April 14, 2021, in response to a restrictive Republican-sponsored voting law in Georgia, Google's CEO joined with 200 other CEOs in publishing an open letter in The New York Times and The Washington Post against 'any such discriminatory law' Opposed, which would make it more difficult for Americans to vote. But there was a catch—Google quietly funded a 'policy working group' on 'election integrity' with the Republican State Leadership Committee, an organization that supports the Georgia law and similar laws in other states. Was. In Britain, former Prime Minister Boris Johnson has come under criticism for corporate funding, having given policy support in favor of donors. For years, many prominent businessmen have been lobbying and funding political parties to influence mandates and policy-making. However, now to maintain distance from political parties, corporates have found a way of funding through electoral trusts. These are basically trusts set up by companies, the purpose of which is to distribute contributions received from other companies and individuals to political parties. Since the money stored by trusts is pooled, one cannot easily know which corporate has given money to the trust and how the trust will fund a political party. Political funding and the cost of conducting elections in India have seen a change compared to the days when there were no limits on election expenditure and no clear mechanism for fund collection. Donations were mostly in cash, which meant the source could not be easily traced and also supported a parallel black economy. Like other countries, we have also changed our way of spending on elections. Political parties were asked to improve their transparency and large cash donations were banned. Of course, there are many ways to circumvent the rules and parties spend more than the limits set by the Election Commission. Apart from this, a case of political parties soliciting donations by indirectly promising benefits also came to light. In many ways, corporate houses were forced to donate to leading parties to maintain their position. To overcome this problem of corporate houses, the Government of India introduced electoral bonds, a way in which the details of the donors are not available for public monitoring. On the face of it, this was a very good move, which protected donors' details. It also hid the nexus between the donor and the political party that benefited from it. If the openness about which corporate supported which party was bad, now the secrecy of information about which corporate funded which party and what benefits they got in return has made this whole effort to curb corporate funding of political parties. The attempt has been defeated. So where do we stand on political funding? All elections in India are very expensive. Despite there being limits on how much a candidate can spend, everyone knows that money is spent like water in elections. Secondly, we are not a country in which like-minded people raise money through membership of political parties. Development policies are being worked on. Also, government funding for elections is also very less. Holding elections simultaneously for local bodies, states and the Center can save costs and ensure that funding is used effectively. To strengthen the political funding system, it is important that more voters participate in voting and also understand how political parties collect and use money. The discussion on the validity of electoral bonds has many implications, some obvious and some complex. But it is certain that political funding needs to be made transparent and free from the influence and interference of political parties and governments.

कबाड़ के गोदाम में लगी आग, तीन घंटे बाद पाया गया काबू, वाहनों की आवाजाही रही ठप

बिलासपुर में कबाड़ के गोदाम में अचानक आग भड़क उठी। इससे आसपास के लोगों में अफरा तफरी मच गई। पुलिस और दमकलकर्मियों में इस पर तीन घंटे बाद काबू पाया।बिलासपुर कोतवाली क्षेत्र में रामनगर रोड स्थित कबाड़ के गोदाम में रविवार सुबह अचानक आग लग गई। फायर ब्रिगेड कर्मियों ने करीब तीन घंटे बाद इस पर काबू पाया। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। नगर के मोहल्ला भट्टी टोला निवासी कयूम खां कबाड़ का काम करते हैं।उन्होंने बिलासपुर -रामनगर रोड पर बिशारतनगर गांव के समीप कबाड़ का गोदाम बना रखा है। गोदाम स्वामी के अनुसार रविवार की सुबह गोदाम पर कोई नहीं था। इस बीच अचानक आग लग गई और कुछ ही देर में उसने विकराल रूप ले लिया। गोदाम में आग की लपटें व धुआं निकलता देख लोगों ने फोन से उन्हें सूचना दी। सूचना पाकर वह मौके पर पहुंचे और उन्होंने ग्रामीणों के साथ आग को बुझाने का प्रयास किया। इसके बाद तत्काल फायर ब्रिगेड को बुलाया। सूचना पाकर दमकल कर्मी भी मौके पर पहुंच गए और आग बुझाने का काम शुरू कर दिया गया। करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। कोतवाली प्रभारी बलवान सिंह भी अपने मातहतों के साथ मौके पर पहुंच गए। गोदाम में पॉलिथीन, लोहा, गत्ता आदि कबाड़ भरा हुआ था। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। पहले भी लग चुकी है आग -ग्रामीणों के अनुसार रामनगर रोड पर ग्राम बिशारतनगर के समीप रविवार की सुबह जिस गोदाम में आग लगी थी। पिछले दफा भी कई बार इस गोदाम में आग लग चुकी है। लोगों में चर्चा है कि रहस्यमय ढंग से लगने वाली आग के कारणों का पता नहीं चल पाता है।

महाकालेश्वर धाम से निकली भव्य कलश यात्रा, विभिन्न स्थानों पर हुआ स्वागत

मुरादाबाद-बाबा नीम करौली आश्रम ट्रस्ट और लोहिया मानव कल्याण ट्रस्ट के तत्वावधान में हनुमंत कथा एवं दिव्य दरबार का रविवार को कलशयात्रा के साथ आरंभ हुआ। बाबा नीम करौली आश्रम ट्रस्ट के अध्यक्ष अनिल शर्मा एवं मीडिया प्रभारी जयदेव यादव ने बताया रविवार की सुबह नया मुरादाबाद स्थित महाकालेश्वर धाम से कलश यात्रा निकाली गई। रास्ते में भक्ति रस का प्रवाह करते हुए कथा स्थल लोहिया स्टेट पहुंची। जहां कलश स्थापित किए गए।उन्होंने कहा कि कलश यात्रा का विभिन्न स्थानों पर स्वागत किया गया। साथ ही फूलों की वर्षा की गई। 18 और 20 मार्च को बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री श्री हनुमंत कथा की अमृतवर्षा करेंगे और 19 मार्च को कथा स्थल पर ही दिव्य दरबार लगेगा। इसी बीच धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री बाबा नीम करौली आश्रम में श्री हनुमान जी की 51 फीट ऊंची प्रतिमा की नीव भी रखेंगे।

मतदाता सूची प्रबंधन में उत्कृष्ट कार्य के लिए जिलाधिकारी सम्मानित, अधिकारियों ने दी बधाई

मुरादाबाद। जिले में मतदाता सूची बनवाने व पुनरीक्षण कार्य में बेहतर प्रबंधन व उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जिलाधिकारी मानवेंद्र सिंह को पुरस्कृत कर प्रशस्ति पत्र प्रदान किया है। उनकी इस उपलब्धि पर जिले के अधिकारियों ने बधाई और शुभकामनाएं देकर उनके मार्गदर्शन में लोकसभा चुनाव को निष्पक्ष, पारदर्शिता के साथ कराने की प्रतिबद्धता दोहराई है। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा मतदाता सूची प्रबन्धन के क्षेत्र में उल्लेखनीय, उत्कृष्ट और अभिनव कार्य के लिए जिलाधिकारी मानवेन्द्र सिंह ने प्रशस्ति पत्र मिलने पर प्रसन्नता जताई है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण, सकुशल, निष्पक्ष और पारदर्शिता के साथ कराने के लिए प्रतिबद्ध हूं। इसमें सभी का सहयोग अपेक्षित है। पारदर्शी मतदाता सूची से मतदान की शुचिता बनी रहती है।

लकड़कटटो पर मेहरबान वन विभाग चंद पेड़ों पर जुर्माना करके लकडकटटो के बढ़ाते हौसले

क्यूँ न लिखूँ सच
संवाददाता अमरीक सिंह

बहराइच जनपद बहराइच में लकड़कतों के हौसले इस कदर बुलंद होते जा रहे हैं की हरे भरे पेड़ों को चंद्र घंटे में ही धराशाई कर देते हैं। देखा जाए नानपारा रेंज वन विभाग में कार्यरत कई अधिकारी लकडकटटो पर मेहरबान बने हैं जिनकी बदौलत अवैध कटान पर अंकुश नहीं लग रहा है। नानपारा रेंज के भावनियापुर दुर्गापुरवा रेलवे अंडरग्राउंड के पास बीते कई दिनों से अवैध सागवान के पेड़ों की कटाई हो रही थी। जिसकी शिकायत ग्रामीणों ने वन विभाग से की वन विभाग ने मौके पर पहुंचकर 8 पेड़ों पर जुर्माना कर कागजी कार्यवाही पूरी कर ली जबकि ग्रामीणों ने बताया की मौके पर डेढ़ दर्जन मोटे-मोटे सागवान के पेड़ों को अवैध रूप से काटा गया था। इससे प्रतीत होता है की लकड़ी माफियाओं के आगे सरकारी तंत्र लाचार है। यह सरकारी कर्मचारियों के द्वारा अवैध तरीके से लकड़ी की कटाई कराई जाती हैं ग्रामीणों ने बताया कि कई वर्षों से कुर्सी पर तैनात नानपारा रेंजरी में कर्मचारियों के द्वारा अवैध रूप से पेड़ों को कटाया जाता है इसलिए नानपारा क्षेत्र में लकड़ी माफियाओं के हौसले बुलंद हो रहे हैं। वही जनपद बहराइच के ईमानदार तेजतर्रा डीएफओ की कार्यशैली पर कीचड़ उछालने का काम नानपारा रेंजरी के कर्मचारी कर रहे हैं।

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश . उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

निर्वाचन की घोषणा के साथ ही प्रदेश में तत्काल प्रभाव से चुनाव आदर्श आचार संहिता तत्काल लागू

मुरादाबाद -जिला मजिस्टेड्ट/जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मानवेन्द्र सिंह बताया है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिनांक 16.03.2024 को लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के निर्वाचन की घोषणा कर दी गयी है, निर्वाचन की घोषणा के साथ ही प्रदेश में तत्काल प्रभाव से चुनाव आदर्श आचार संहिता तत्काल लागू हो गयी है। आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार इस जनपद में 06-मुरादाबाद लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 का निर्वाचन प्रथम चरण में सम्पन्न कराया गया जायेगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि निर्वाचन की अधिसूचना दिनांक 20.03.2024, नाम निर्देशन की अंतिम दिनांक 27.03.2024, नाम निर्देशनों की जांच हेतु दिनांक 28.03.2024 नाम वापसी हेतु अंतिम दिनांक 30.03.2024, मतदान का दिनांक 19.04.2024 तथा मतगणना 04.06.2024 को है। इसके अतिरिक्त 08-सम्भल लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में समाविष्ट इस जनपद की 2 विधानसभा 29-कुन्दरकी एवं 30 बिलारी का निर्वाचन तृतीय चरण में सम्पन्न कराया जायेगा। उन्होंने बताया कि निर्वाचन की अधिसूचना का दिनांक 12.04.2024, नाम निर्देशन की अंतिम दिनांक 19.04.2024, नाम निर्देशनों की जांच हेतु दिनांक 20.04.2024, नाम वापसी हेतु अंतिम दिनांक 22.04.2024, मतदान का दिनांक 07.05.2024 तथा मतगणना का दिनांक 04.06.2024 है। जिला मजिस्टेड्ट/जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मानवेन्द्र सिंह ने बताया है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिनांक 16.03.2024 को लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के कार्यक्रम की घोषणा कर दी गयी है। निर्वाचन घोषणा के साथ्र ही जनपद में आदर्श आचार संहिता तत्काल प्रभाव से लागू हो गयी है। अत: लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा-127 क के अर्न्तगत कोई भी व्यक्ति कोई ऐसी निर्वाचन पुस्तिका या पोस्टर जिसके मुख्य पृष्ठ पर उसके मुद्रक और प्रकाशक के नाम और पते न हो, मुद्रित या प्रकाशित न करेगा और न मुद्रित या प्रकाशित करायेगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि कोई भी मुद्रक तब तक प्रकाशक से उसकी अनन्यता के बारे में दो व्यक्तियों द्वारा जो उसे स्वयं जानते हों, प्रमाणित घोषणा पत्र (परिशिष्ट-क) दो प्रतियों में प्राप्त नहीं कर लेगा तब तक कोई पुस्तिका या पोस्टर नहीं छापेगा। मुद्रक उपर्युक्त समय में दस्ताबेज की छपाई के पश्चात् दस्तावेज की एक प्रति अपनी घोषणा की एक प्रति (परिशिष्ट -ख) सहित जिला मजिस्टेड्ट के कार्यालय (सूचना कार्यालय) में जमा करेगा, जो व्यक्ति लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा-127 क की उप धारा-1 व 2 के उपबंधों में से किसी का उल्लंघन करेगा वह कारावास से जिसकी अवधि छ: माह तक हो सकेगी या जुर्माना जो 200/- रुपये तक हो सकेगा से या दोनों से दण्डनीय होगा

जन चेतना दिव्यांग सोसायटी शामली ने मनाई फ़ूलो की होली

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली -मनीष मित्तल जी की अध्यक्षता में जन चेतना दिव्यांग सोसायटी शामली एक भव्य कार्यक्रम होली मिलन समारोह सभी दिव्यांगजनो के साथ मनाने जा रही हैं जिसमे आप सभी का स्वागत है सभी दिव्यांग आज अपने प्रिय शामली नगर अध्यक्ष श्री अरविंद संगल जी व भरत संगल जी के साथ फूलों की होली खेलकर इस पर्व को मनाये।आप सभी आज शाम 5 बजे कुटी वाला मंदिर शिव चौक बड़ा बाजार शामली में अपनी उपस्थिति देकर होली के इस पर्व को धूम धाम से मनाए ।आज सभी दिव्यांगजनो के लिए यह खुशी का पर्व हैं जिसमे सभी लोग आकर प्रमुख समाज सेवियो को सुने और होली खेलें आज के कार्यक्रम में ऋषिपल सैनी, मनीष मित्तल इरशाद अहमद, प्रदीप मालिक, दीपक शर्मा, मुकेश वर्मा, पंकज गर्ग, विजय सरोहा , मनोज मित्तल सपन ठाकुर, और सभी कर्यकर्ता मौजूद रहेंगे आप सबका स्वागत है । स्थान व सम यह कार्यक्रम कोटी वाले मंदिर में शाम 5-00 बजे से 7-00 तक चला रहा बड़ा बाजार शामली

गुरु जम्भेश्वर विवि कहलाएगी मुरादाबाद यूनिवर्सिटी, जिले में है 493 साल पुराना मंदिर, यह है इसकी मान्यता

मुरादाबाद में तैयार होने वाली यूर्निवर्सिटी का नाम गुरु जम्भेश्वर के नाम पर रखा जाएगा। लोदीपुर विशनपुर में गुरु जम्भेश्वर का 493 साल पुराना मंदिर है। इस गांव में 90 प्रतिशत आबादी विश्नोई समाज की है। लोगों का कहना है कि 493 साल पहले विक्रमी संवत 1587 में गुरु जम्भेश्वर भगवान लोदीपुर विशनपुर में राजस्थान से आए थे।मुरादाबाद में बनने वाले विश्वविद्यालय का नामकरण गुरु जम्भेश्वर के नाम पर होगा। यह बात मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कही। उन्होंने कहा कि मुरादाबाद व मिर्जापुर में विश्वविद्यालय के शिलान्यास के साथ ही भाजपा का संकल्पपत्र पूरा हो गया है। इन जनपदों को स्वास्थ्य सेवाओं का भी अच्छा केंद्र बनाया जाएगा। वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज के विजन के तहत बिजनौर में महात्मा विदुर मेडिकल कॉलेज बन रहा है। अमरोहा व संभल इस दिशा में अग्रसर हैं। योगी शनिवार दोहपर को मुरादाबाद को राजकीय विश्वविद्यालय समेत 513 करोड़ की 112 परियोजनाओं की सौगात दी। गुरु जम्भेश्वर का 493 साल पुराना मंदिर -मुरादाबाद के वार्ड 10 लोदीपुर विशनपुर में गुरु जम्भेश्वर का 493 साल पुराना मंदिर है। इस गांव में 90 प्रतिशत आबादी विश्नोई समाज की है। लोगों का कहना है कि 493 साल पहले विक्रमी संवत 1587 में गुरु जम्भेश्वर भगवान लोदीपुर विशनपुर में राजस्थान से आए थे। वह गांव में कई दिन रुके थे। यहां उन्होंने राजस्थान का खेजड़ी नामक पौधा रौपा, जोकि विशाल वृक्ष के रूप में आज भी है। बाद में विश्नोई समाज के लोगों ने इस स्थान पर गुरु जम्भेश्वर का मंदिर बनवा दिया। आज इस गांव को लोदीपुर धाम व मंदिर को गुरु जम्भेश्वर भगवान मंदिर कहा जाता है। गुरु जम्भेश्वर लोदीपुर में चैत्र मास की अमावस्या को आए थे। इसलिए मंदिर में हर साल चैत्र मास की अमावस्या पर दो दिवसीय भव्य मेले का आयोजन होता है। यह मेला पिछले 493 साल से हर साल लगता आ रहा है। अब इसका जिम्मा विश्नोई मंदिर समिति लोदीपुर धाम के पास है।विश्नोई समाज गदगद सीएम योगी जनसभा के मंच से सरकारी यूनिवर्सिटी का नाम गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय की घोषणा करके विश्नोई समाज को साध गए। उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह का सुझाव था कि विश्वविद्यालय का नामकरण भी हो जाना चाहिए। आज हम विश्वविद्यालय का नामकरण गुरु जम्भेश्वर के नाम पर करने की घोषणा कर रहे हैं। इस घोषणा के बाद विश्नोई समाज के लोगों में उत्साह भर गया। फेसबुक, व्हाट्सएप से लेकर हर सोशल मीडिया साइट पर सीएम योगी के वक्तव्य की वीडियो क्लिप चलने लगी। समाज के लोगों ने सीएम योगी को धन्यवाद लिखते हुए एक्स पर पोस्ट भी किए। ज्ञात हो कि जिले में विश्नोई मतदाताओं की अनुमानित संख्या 66 हजार है। इनमें से 25 हजार वोट अकेले कांठ विधानसभा क्षेत्र में हैं। विश्नोई समाज के मुताबिक 27 हजार से ज्यादा वोट ठाकुरद्वारा विधानसभा में हैं। विश्नोई मंदिर समिति लोदीपुर धाम के सचिव अजीत कुमार विश्नोई का कहना है कि गुरु जम्भेश्वर के नाम से विश्वविद्यालय का नामकरण होना सिर्फ विश्नोई समाज के लिए नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति व संतों का आदर करने वाले हर नागरिक के लिए गर्व का विषय है।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह ने कहा कि मुरादाबाद उत्तर प्रदेश का ऐसा मंडल है, जहां सरकारी विश्वविद्यालय नहीं था। हम लोगों से कहते थे कि हमारी सरकार आएगी तो यह मांग जरूर पूरी होगी। आज सीएम योगी ने मुरादाबाद की वर्षों की पुरानी मांग पूरी कर दी है। इन जनपद का सपना पूरा कर दिया है। 2017 में भाजपा को प्रदेश में सरकार बनाने का अवसर मिला। मुख्यमंत्री ने उसी दिन से कहना शुरू कर दिया कि जमीन देखो, जो औपचारिकताएं हैं उन्हें पूरी करो। उन्होंने मुरादाबाद में सरकारी विश्वविद्यालय के निर्माण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। चौधरी ने कहा कि यह सीएम योगी के 24 घंटे प्रदेश के हित में काम करने का परिणाम है कि यूपी अब बीमारु राज्य से निकलकर बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में सामने आया है। सरकार ने बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा पर काम किया है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

सेंट्रल जेल में बंद शूटर के लाइव चैट से जुड़े थे आठ लोग, महिला वकील भी शामिल, पुलिस कर रही जांच

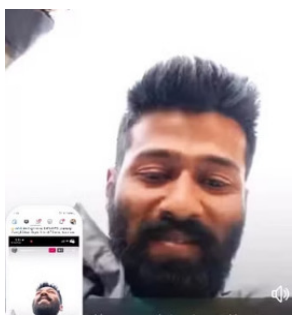

शूटर आसिफ ने सेंट्रल जेल में अपनी सर्किल की चहारदीवारी के पास खड़े होकर मोबाइल से वीडियो बनाया था। लाइव वीडियो से कई लोग जुड़े थे। इसके बाद जेल में छापे मारे गए लेकिन मोबाइल फोन बरामद नहीं हो सका।बरेली सेंट्रल जेल में बंद शूटर आसिफ के दो मिनट के लाइव वीडियो में ही उसके आठ करीबी जुड़ गए थे। इनमें शाहजहांपुर की महिला वकील भी शामिल हैं, जो हाथ जोड़कर शूटर का अभिवादन कर रही हैं। इसके अलावा शूटर का दोस्त सांचा, विशन राजपूत, संदीप कुशवाह, राजरत्न आदि जुड़े थे। इस मामले में सेंट्रल जेल के तीन वार्डर निलंबित कर दिए गए थे। डिप्टी जेलर को हटा दिया गया था, जबकि दो जेलरों से स्पष्टीकरण मांगा गया है। वहीं अब शूटर आसिफ को दूसरी जेल में शिफ्ट करने पर विचार किया जा रहा है। लाइव वीडियो में शूटर कह रहा है कि वह स्वर्ग में मौज ले रहा है और जल्दी आ रहा है। चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। शूटर अपने दोस्त सांचा से कह रहा है कि दोस्त तो दिल में रहते हैं, उनके लिए अलग से जगह नहीं बनाई जाती है। जिंदगी में सबकुछ पैसा ही नहीं, संबंध बनाना भी जरूरी है। पैसे-वैसे चाहिए तो हमसे ले लेना। इसके बाद लाइव चैट समाप्त हो जाती है।अब इस लाइव चैट से जुड़े सभी लोगों की प्रोफाइल खंगाली जा रही है कि ये लोग कौन हैं और शूटर को कैसे जानते हैं? शूटर जेल के अंदर से किसे रुपये देने की बात कह रहा है, यह भी जांच का विषय है। शूटर की बातों से ऐसा लग रहा है कि जैसे वह जेल के अंदर से पूरा नेटवर्क चला रहा है। कहां गायब हो गया मोबाइल फोन, जांच जारी- शूटर ने सेंट्रल जेल में अपनी सर्किल की चहारदीवारी के पास खड़े होकर वीडियो बनाया था। इसके बाद जेल में छापे मारे गए लेकिन मोबाइल फोन बरामद नहीं हो सका। शूटर का मोबाइल फोन जेल से कहां गायब हो गया, इसका जवाब जेल के अधिकारियों के पास भी नहीं है। शूटर के फोन से कई अहम सुराग हाथ लग सकते हैं और कई बड़े अफसरों की गर्दन भी फंस सकती है। इसलिए फोन को लेकर कोई कुछ बोलने को तैयार नहीं है। वीडियो किस फोन से बनाया गया, उसको चार्ज और रिचार्ज करने की व्यवस्था कैसे होती थी? यह भी जांच के बाद ही पता चल सकेगा। फिलहाल, अभी जेल के कई राज खुलने बाकी हैं। बाबा बकाला का मुरीद है आसिफ-वीडियो में आसिफ बाबा बकाला का आशीर्वाद होने की बात कह रहा है। बताते हैं कि अमृतसर के पास बाबा बकाला शहर में सिख धर्मगुरु बाबा बकाला साहिब के नाम से गुरुद्वारा है जिसकी दूरदराज तक मान्यता है। सूत्रों के मुताबिक शूटर आसिफ भी बाबा बकाला को मानता है। इसके अलावा वह बड़ों का आशीर्वाद होने की बात भी कह रहा है। कयास लगाया जा रहा है कि बड़ों से उसका आशय जेल में स्वर्ग जैसी सुविधाएं देने वाले अफसरों से भी हो सकता है। डीआईजी जेल कुंतल किशोर ने बताया कि तीन जेल वार्डरों को निलंबित कर दिया गया है। जेल के दोनों जेलरों व डिप्टी जेलर की विभागीय जांच शुरू करा दी गई है। जिसका जितना दोष मिलेगा, उसी के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी। बरेली सेंट्रल जेल में नए अधीक्षक की नियुक्ति की जा रही है।

वन मंत्री नागर सिह व लोकसभा प्रत्याशी ने पारा भाजपा मण्डल कार्यकर्ताओ से मुलाकात

क्यूँ न लिखूँ सच
शैलेन्द्र राठौर

झाबुआ/पारा । लोकसभा निर्वचन की आचार संहिता लगने के पुर्व प्रदेश भाजपा सरकार के केबिनेट मंत्री व भाजपा द्वारा घोषित रतलाम झाबुआ अलिराजपूर की लोकसभा प्रत्याशी ने भाजपा मण्डल पारा के कार्यकर्ताओ से पारा पंहुच कर मुलाकात की व मोदी का नारा अबकी बार 400 पार की जानकारी दी। शनिवार की दोपहर को प्रदेश सरकार के केबिनेट वन मंत्री नागरसिह चौहान व भाजपा द्वारा हाल ही मे घोषित रतलाम झाबुआ आलिराजपुर क्षेत्र की लोकसभा प्रत्याशी अनिता नागर सिह चौहान शनि मन्दिर पर आयोजित कार्यक्रम मे भारतीय जनता पार्टी मण्डल पारा के कार्यकर्ताओ से मिलने पहुचे । कार्यकर्ताओ को सम्बोधित करते हुवे मंत्री चौहान ने कहा की पिछले दस सालो मे आदिवासी क्षेत्र का जितना विकास मोदी सरकार के द्वारा किया गया उतना कभी नही हूआ । श्री चौहान ने कांग्रेस का नामं लिये बगेर कहा कि पहले इन्दिरा आवास गांव मे किसी एक आदमी के नाम पर आता था। जिसकी रकम भी बहुत कम होती थी हितग्राही को किसी भी मकान के सामने खड़ा कर फोटो खिंचवा कर रकम निकाल लेते थे। जब मोदी जी सरकार बनी सभी को पक्का मकान बनाने के लिये एक लाख पचास हजार रुपए मिलने लगे। अटल बिहारी वाजपेयी जी के नाम गांव गांव मे सड़कें बनने लगी रतलाम झाबुआ अलिराजपूर क्षेत्र मे और विकास करने के लिये मुझे मंत्री बनाया है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगो को लाभ मिल सके और इसके लिये आपको सभी को मोदी जी के हाथ मजबूत करना है । मोदी जी का नारा है अबकी बार 400 पार । इसलिए आप सभी लोग अपने गांव गांव फलिए फलिए मे पूरी ताकत से मोदी जी के मिशन को पुरा करने मे जी जान से जुट जाये। अबकी बार हर बूथ पर पहले के मुकाबले 370 अधिक वोट भाजपा के पक्ष मे डलवाना है । घर घर जाकर मोदी जी और प्रदेश सरकार की योजनाये जिनका लाभ मिल रहा है सबको समझना है । लोकसभा प्रत्याशी अनिता नागरसिह चौहान ने सम्बोधित करते हुवे कार्यकर्ताओ से कहा कि आप सभी बूथ कार्यकर्ताओ को अपना बूथ कभी भी खाली नही छोड़ना है दिन मे एक बार अपने बूथ पर जरुर जाना है नही तो खाली देख कर कोई भी घुस जायेगा। इसलिये खाली नही छोडे। इससे पुर्व जिलाध्यक्ष भानू भूरिया व जिला महामंत्री सोमसीह सोलंकी ने सम्बोधित किया। कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायत रातिमाली पारा के सरपंच गोपल खराडी ने अपने 25 से अधिक समर्थको के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। सभी का स्वागत मंत्री चौहान भाजपा दुपट्टा पहनकर किया । बताया जाता है की गोपल खराडी कान्तिलाल भूरिया के रिश्ते दामाद लगते हैं । इस अवसर पर लोकसभा प्रभारी किशोर शाह, अलिराजपूर जिला प्रभारी शेलेष दुबे, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष कुलदीप चौहान, पारा मण्डल प्रभारी विजय चौहान, किसान मोर्चा महामंत्री वालसिह मसानिया मण्डल अध्यक्ष सजन सिह अम्लियार, जिला पंचयात सदस्य हर्षिता वालसिह मसानिया पारा सरपंच इंदु बाला डामोर, पुर्व सरपंच औकार सिह डामोर, वरिष्ठ भाजपा नेता छितुसिह मेड़ा रोमिराज सेन अल्पसंख्यक मोर्चा मताब पठान फय्याज पठान रेहमान पठान इम्तियज निजमी सहित सेकड़ो भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पेपर लीक की एक घटना ने बिगाड़ा आयोग का परीक्षा कैलेंडर, टल सकती हैं कई और परीक्षाएं

प्रारंभिक परीक्षा स्थगित होने से अब सात जुलाई से प्रस्तावित मुख्य परीक्षा का टलना भी तय हो गया है। वहीं, 22 मार्च को प्रस्तावित स्टाफ नर्स (यूनानी/आयुर्वेदिक) (पुरुष/महिला) प्रारंभिक परीक्षा-2023 स्थगित होने के बाद अब 16 जून को प्रस्तावित मुख्य परीक्षा भी आयोग को टालनी पड़ेगी। समीक्षा अधिकारी (आरओ)/ सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) प्रारंभिक परीक्षा-2023 में पेपर लीक की घटना ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) का परीक्षा कैलेंडर बिगाड़ दिया। कैलेंडर में शामिल अब तक पांच परीक्षाएं स्थगित की जा चुकी हैं। इनमें से कोई ऐसी परीक्षा नहीं है, जो लोकसभा चुनाव के कारण प्रभावित हो रही हो। ऐसे में माना जा रहा है कि पेपरों की सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए जाने के बाद ही आयोग कोई परीक्षा कराएगा। आयोग ने अप्रैल से दिसंबर तक 17 तिथियां परीक्षाओं के लिए आरक्षित कर रखी हैं। आरओ/एआरओ प्रारंभिक परीक्षा में पेपर वायरल होने की घटना के बाद इस परीक्षा को निरस्त किए जाने के बाद आयोग ने सबसे पहले 17 मार्च को प्रस्तावित पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा स्थगित की। प्रारंभिक परीक्षा स्थगित होने से अब सात जुलाई से प्रस्तावित मुख्य परीक्षा का टलना भी तय हो गया है। वहीं, 22 मार्च को प्रस्तावित स्टाफ नर्स (यूनानी/आयुर्वेदिक) (पुरुष/महिला) प्रारंभिक परीक्षा-2023 स्थगित होने के बाद अब 16 जून को प्रस्तावित मुख्य परीक्षा भी आयोग को टालनी पड़ेगी। सात अप्रैल को प्रस्तावित सहायक नगर नियोजक प्रारंभिक परीक्षा-2023 भी स्थगित की गई है। ऐसे में 19 जून को प्रस्तावित मुख्य परीक्षा भी टाल दी जाएगी। आयोग ने अपर निजी सचिव (एपीएस)-2023 की नौ अप्रैल को प्रस्तावित द्वितीय चरण की परीक्षा और 24 अप्रैल को प्रस्तावित स्टाफ नर्स एलोपैथी (पुरुष/महिला) मुख्य परीक्षा-2023 को भी स्थगित कर दिया है। एपीएस के द्वितीय चरण की परीक्षा के लिए आवेदन की प्रक्रिया चल रही है, जबकि स्टाफ नर्स एलोपैथी मुख्य परीक्षा के आवेदन की हार्डकॉपी आयोग में जमा करने की अंतिम तिथि 21 मार्च है। आवेदन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अभ्यर्थियों को परीक्षा के लिए इंतजार करना होगा। आचार संहिता में फंसी आयोग की पांच भर्तियां- लोकसभा चुनाव की आचार संहिता में यूपीपीएससी की पांच भर्तियों फंस गई हैं। आयोग को एलटी ग्रेड शिक्षक भर्ती, राजकीय डिग्री कॉलेजों में असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती, खंड शिक्षा अधिकारी भर्ती, सम्मिलित राज्य कृषि सेवा भर्ती, सम्मिलित राज्य अभियंत्रण सेरा भर्ती से संबंधित रिक्त पदों का अधियाचन मिल चुका है, लेकिन किसी की परीक्षा तिथि तय नहीं है। कोई परीक्षा समकक्ष अर्हता तय न होने तो कोई परीक्षा शासन से नियमावली को मंजूरी मिलने के इंतजार में अटकी हुई है। वहीं, कुछ परीक्षाओं के लिए शासन से परीक्षा योजना और पाठ्यक्रम को मंजूरी मिलने का इंतजार है। शनिवार को अधिसूचना जारी होने के साथ ही आचार संहिता लागू हो गई, सो अभ्यर्थियों को अब नई भर्ती के लिए चुनाव खत्म होने का इंतजार करना होगा।

अखिलेश को अपनों से ही चुनौती, सपा कार्यालय पर कुर्ता फाड़कर चीखा कार्यकर्ता; बुरी तरह हारेंगी डिंपल यादव

अखिलेश यादव को अपनों से ही चुनौती मिल रही है। अब सपा कार्यालय पर कुर्ता फाड़कर कार्यकर्ता चीखा। कहा कि डिंपल यादव बुरी तरह हारेंगी। उसने राजनीति छोड़ने की भी बात कही।लोकसभा चुनाव की घोषणा हो चुकी है। मैनपुरी सीट से सपा की ओर से डिंपल यादव मैदान में हैं। इस बीच रविवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। सपा कार्यालय के सामने एक कार्यकर्ता ने अपना कुर्ता फाड़ लिया। उसने पार्टी के स्थानीय पदाधिकारियों और नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए हैं। वीडियो चर्चा का विषय बना हुआ है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में गांव ब्योंती खुर्द निवासी सपा कार्यकर्ता निर्दोष यादव आवास विकास स्थित सपा कार्यालय के बाहर मौजूद नजर आ रहे हैं। वीडियो में वे कह रहे हैं कि उनके साथ और उनके जैसे सैकड़ों के कार्यकर्ताओं के साथ पार्टी के पदाधिकारी गलत व्यवहार कर रहे हैं। सांसद डिंपल यादव जब भी मैनपुरी आती हैं तो उनके सुरक्षाकर्मी स्थानीय पदाधिकारियों के इशारे पर कर्मठ और नौजवान कार्यकर्ताओं को धक्का मारकर बाहर कर देते हैं। इतना ही नहीं उन्होंने कहा कि पार्टी के पदाधिकारी सपा को मजबूत करने के बजाए उसे कमजोर करने का काम कर रहे हैं। पदाधिकारी कुछ भी कहने से बच रहे- इसी बीच सपा नेता ने अपना कुर्ता फाड़ते हुए राजनीति छोड़ने की भी बात कही। उन्होंने कहा कि अगर ऐसे ही चलता रहा तो डिंपल यादव जीतना तो दूर 50 हजार वोट से हारेंगी। कार्यकर्ता ने वर्तमान पार्टी पदाधिकारी के साथ ही एक पूर्व विधायक पर भी कार्यकर्ताओं की अनदेखी करने के आरोप लगाए हैं। वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। वहीं पार्टी पदाधिकारी इस बारे में कुछ भी कहने से बच रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

बैंक खातों में जाएगा वित्तविहीन विद्यालयों के शिक्षकों का वेतन, लाखों शिक्षकों का रुकेगा शोषण

25 हजार माध्यमिक स्कूलों के लाखों शिक्षकों का शोषण रुकेगा। अब उनका वेतन सीधे उनके बैंक खातों में जाएगा या फिर चेक से दिया जाएगा। इस संबंध में अपर शिक्षा निदेशक माध्यमिक ने दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं।उत्तर प्रदेश के लगभग 25 हजार वित्तविहीन मान्यता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के लाखों शिक्षकों का शोषण रोकने के लिए बड़ी पहल की गई है। इसके तहत इन कॉलेजों को अपने यहां तैनात शिक्षकों का वेतन सीधे उनके बैंक खातों में या चेक के माध्यम से देना होगा। इससे कॉलेजों की सच्चाई भी सामने आएगी क्योंकि अभी तक वे शिक्षकों को आधा-अधूरा व मनमाना पैसा ही देते थे।वित्तविहीन विद्यालयों में शिक्षकों को कहीं पांच तो कहीं आठ हजार रुपये वेतन दिया जा रहा है, जबकि उन्हें न्यूनतम 15 हजार रुपये वेतन व अन्य सुविधाएं मिलनी चाहिए। यह मामला कई बार शासन के संज्ञान में लाया गया। शिक्षक संघ भी काफी समय से मांग कर रहे थे कि शिक्षकों का वेतन बैंक खाते में भेजा जाए, क्योंकि काफी कम वेतन पर उनसे पूरा काम लिया जाता है। उन्हें छुट्टी आदि मिलने में काफी दिक्कत आती है।शासन ने इस बाबत पूर्व में आदेश जारी किया था, लेकिन उसका पालन नहीं हो रहा था। इसी क्रम में अपर शिक्षा निदेशक माध्यमिक सुरेंद्र कुमार तिवारी ने सभी मंडलीय संयुक्त शिक्षा निदेशक, मंडलीय उपशिक्षा निदेशक, डीआईओएस और वित्त व लेखाधिकारी को निर्देश दिया है कि ऐसे विद्यालयों में वेतन व अन्य भुगतान बैंक खाते में या चेक से किया जाए। ऐसा न करने पर उनकी मान्यता को लेकर सख्ती की जाएगी।- अपर शिक्षा निदेशक ने यह भी निर्देश दिया है कि अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों व कर्मचारियों को फॉर्म 16 निशुल्क दिया जाए। जानकारी के अनुसार कई कॉलेज इसके लिए भी शिक्षकों-कर्मचारियों से शुल्क लेते हैं। शुल्क न देने पर उन्हें फॉर्म नहीं दिया जाता है।

हाईवे पर कार ने बाइक में मारी टक्कर, नोएडा से गांव आ रहे जीजा की मौत, साला गंभीर घायल

जीजा और साला नोएडा में एक कंपनी में काम करते थे। दोनों बाइक से अपने गांव लौट रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक लोधा के राजा महेंद्र प्रताप यूनिवर्सिटी के पास पहुंची, एक कार ने उनमें टक्कर मार दी। हादसे में जीजा की मौत हो गई और साला गंभीर रूप से घायल हो गया।लोधा थाना क्षेत्र के अलीगढ़-पलवल-खैर हाईवे पर 16 मार्च देर रात कार ने बाइक सवार जीजा और साले को टक्कर मार दी। कार की टक्कर लगते ही सड़क पर गिरकर जीजा की मौत हो गई। हादसे में साला गंभी रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहंची लोधा पुलिस ने जीजा के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घायल साले को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने हादसे की सूचना परिजनों को दी। जिससे दोनों परिवार में मातम छा गया। एटा के निधौली कला के गांव नगला फकीर निवासी 30 वर्षीय पुष्पेन्द्र यादव पुत्र तहसीलदार अपने साले पनव पुत्र राजू निवासी सभापुर निधौली कला के साथ नोएडा में एक कम्पनी में नौकरी करते थे। 16 मार्च को नोएडा से बाइक पर सवार होकर जीजा-साले अपने गांव निधौली कला जा रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक युवक राजा महेन्द्र प्रताप राज्य विश्वविधालय, लोधा के पास पहुंची, तभी पीछे से आ रही कार ने बाइक में टक्कर मार दी। बाइक में टक्कर लगते ही जीजा पुष्पेन्द्र यादव की मौके पर ही मौत हो गई। बाइक पर सवार साला पवन यादव गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे को देख स्थानीय लोग घटनास्थल पहुंचे और पुलिस कन्ट्रोल रूम को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घायल युवक को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया। मृतक की जेब में मिले कागजातों से परिवार के लोगों को हादसे की सूचना दी गई। हादसे की सूचना से परिवार में मातम छा गया। परिजन लोधा थाने पहुंचे, वहां से जिला अस्पताल में पहुंचे।

रेलवे फाटक बंद होने से 10 गांव के 50 हजार से अधिक की आबादी प्रभावित, नाराज ग्रामीणों ने भरी हुंकार

लोकसभा चुनाव से पहले मऊ जिले के पिपरीडीह गांव में 10 गांव के सैकड़ों लोगों ने बैठक की। इस दौरान लोगों ने अंडरपास की मांग करते हुए नाराजगी जताई। लोगों ने कहा कि पिपरीडीह रेलवे स्टेशन के पास का रेलवे फाटक बंद होने से किसानों को परेशानी हो रही है। लोकसभा चुनाव को लेकर अधिसूचना जारी होने के बाद मऊ जिले में शनिवार को अंडरपास की मांग को लेकर पिपरीडीह गांव में 10 से ज्यादा गांवों के सैकड़ों ग्रामीणों ने बैठक किया। लोगों ने अंडरपास की मांग पूरी न होने पर लोकसभा चुनाव का बहिष्कार करने की चेतवानी दी ।यह है मामला-वाराणसी भटनी रेलखंड पर स्थित पिपरीडीह रेलवे स्टेशन के पास एक रेलवे फाटक था। दोहरीकरण के बाद इस फाटक को रेलवे द्वारा बंद कर दिया गया।

साली के साथ डीजे पर इस तरह किया डांस... गुस्सा गई पत्नी, फिर पति से लिया ऐसा बदला कि उड़े सबके होश

ससुराल में शादी समारोह के दौरान साली को डीजे पर डांस करते हुए देख युवक खुद को नहीं रोक सका। वो साली संग डांस करने के लिए डीजे पर पहुंच गया। उसके कदम थिरके तो पत्नी का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। गुस्साई पत्नी ने फिर पति के साथ ऐसी हरकत कर दी कि सभी हैरान रह गए।आगरा में ससुराल में डीजे पर साली के साथ डांस करना युवक को भारी पड़ गया। पत्नी ने युवक को सभी के सामने चप्पलों से पीटा। इस पर पति ने पत्नी को मायके में ही छोड़ दिया। छह महीने से मायके में रह रही पीड़िता ने परिवार परामर्श केंद्र में न्याय की गुहार लगाई।शादी को हुए 15 साल-शनिवार को काउंसलर ने दोनों पक्ष में समझौता कराया। पति ने वादा किया कि वह साली से बात नहीं करेगा, वहीं पत्नी ने कहा कि वह गुस्से पर काबू रखेगी। मथुरा के मगोर्रा थाना क्षेत्र की युवती की शादी 15 साल पहले कागारौल थाना क्षेत्र में हुई थी। युवक एक जूता कंपनी में सुपरवाइजर है। महिला ने बताया कि छह महीने पहले उसकी बहन की शादी थी। वहीं पति-पत्नी में विवाद हुआ। पत्नी ने लगाया ये आरोप-शनिवार को काउंसलर ने दोनों पक्षों को बुलाया। पत्नी का आरोप है कि पति पहले उसकी बहन से फोन पर एक-एक घंटे बाद करता था। शादी में तो डांस करते समय हद ही कर दी। गुस्से में उसने पति को चप्पलों से पीट दिया। काउंसलर डॉ. सतीश खिरवार ने बताया के दोनों ने वादा कर समझौता कर लिया है।जींस-टॉप पहनकर पहुंची बहू, ससुराल में हंगामा-मलपुरा थाना क्षेत्र में नवविवाहिता ससुराल में जींस-टॉप पहनकर चली गई। यह देख गांव के लोग दंग रह गए। घर पहुंचने पर सास ने बहू को समझाया। शाम को जब पति काम से लौटा तो पड़ोस के लोग उसकी पत्नी का मजाक बनाने लगे। इस पर उसने पत्नी से मारपीट की। 2 महीने से पत्नी मायके में रह रही थी। शनिवार को काउंसलर ने दोनों पक्षों को बुलाया। पत्नी ने ससुराल में जींस-टॉप पहनने से मना कर दिया। पति ने भी पत्नी पर हाथ नहीं उठाने की कसम खाई। इस पर दोनों में समझौता हो गया।

SSP के नाम चिट्ठी छोड़ी और गंगनहर में लगा दी छलांग, पोती के साथ दुष्कर्म से आहत था बुजुर्ग

मुजफ्फरनगर जनपद के भोपा थानाक्षेत्र में एक बुजुर्ग ने एसएसपी के नाम चिट्ठी लिखकर छोड़ी और फिर गंगनहर में छलांग लगा दी। चिट्ठी में जिक्र किया गया कि बुजुर्ग पोती से दुष्कर्म के मामले में कार्रवाई न होने से आहत था।उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में भोपा थाना क्षेत्र में दुष्कर्म के मामले में पुलिस आरोप लगाते नहर में छलांग आसपास के मौके पर पहुंचे गया। नहर पुल और एसएसपी लिखा मिला क्षेत्र के बेलडा व्यक्ति ने छलांग पुल पर आधार

पर लापरवाही का हुए एक बुजुर्ग ने लगा दी। लोग जब तक बुजुर्ग पानी में बह पर आधार कार्ड के नाम पत्र है।भोपा थाना गंग नहर में एक लगा दी। गंगनहर कार्ड और एक प्रार्थना पत्र एसएसपी के नाम लिखा हुआ मिला है, जिसमें उसने लिखा है कि दिसंबर 2023 में उसकी पौत्री को युवक बहला फुसलाकर ले गए थे, जिन्होंने उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। लिखा कि आरोपियों ने गर्भवती होने पर उसका गर्भपात भी कराया। पुलिस ने इस मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। वहीं एसएसपी के नाम चिट्ठी मिलने की सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई थी। पुलिस ने आसपास पानी में तलाश कराई लेकिन बुजुर्ग का कोई सुराग नहीं लग सका। पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है।

नगरपालिका की बड़ी लापरवाही

पुस्तकालय की बेशकीमती किताबें बनी कूड़े का ढेर

क्यूँ न लिखूँ सच

एटा- पुस्तकों में जीवन बसता है संस्कार पनपते हैं संस्कृतियां संरक्षित होती हैं। ऐसे में पुस्तकालय और प्राचीन किताबों का जीवन में क्या महत्व होता है इसे शब्दों में बयां कर पाना शायद संभव न हो। लेकिन नगरपालिका के लिए न तो पुस्तकों का महत्व है और न ही पुस्तकालय का। शायद यही कारण है पुस्तकालय की बेशकीमती प्राचीन किताबों का अस्तित्व समाप्त हो गया। बता दें नगरपालिका की बड़ी लापरवाही देखने को मिली है मेहता पार्क स्थित पुस्तकालय की बेशकीमती किताबें कूड़े का

ढेर बनी हुई हैं। जो? पुस्तकें लोगों के हाथों में होनी चाहिए थी वे प्राचीन बेशकीमती किताबें नगरपालिका के? वाटर बॉक्स में गंदगी और कूड़े का ढेर बनी हुई हैं। नगरपालिका की शिक्षा और किताबों के प्रति बड़ी लापरवाही देखकर पुस्तक प्रेमियों और युवाओं में काफी नाराजगी है साथ ही नगर पालिका के अधिकारी भी इसे लेकर संजीदा नहीं हैं। जिले के तेजतर्रार जिलाधिकारी प्रेम रंजन सिंह को इसकी जांच करानी चाहिए आखिर इन प्राचीन बेशकीमती किताबें का अस्तित्व क्यों समाप्त करा दिया गया..? साथ ही इन प्राचीन किताबों को कूड़े का ढेर बनाने वाले लापरवाह लोगों पर कड़ी कार्यवाही अमल में लानी चाहिए जिससे भविष्य में प्राचीन पुस्तकों को पुनः कोई भी व्यक्ति कूड़े का ढेर बनाने की गलती न? करे।

संक्षिप्त समाचार

यश योग सेवा समिति का हर्बल गुलाल बनाने का और होली महोत्सव का कार्यक्रम आयोजन हुआ

क्यूँ न लिखूँ सच

एटा कलेक्टर पार्क कचहरी रोड पर यश योग सेवा समिति की तरफ से महिलाओं की तरफ से हर्बल गुलाल बनाने का कार्यक्रम आयोजित कराया गया, जिला योग प्रभारी यशवीर सिंह चौहान, जिला योग महिला प्रभारी आशु वार्ष्णेय, सह महिला योग

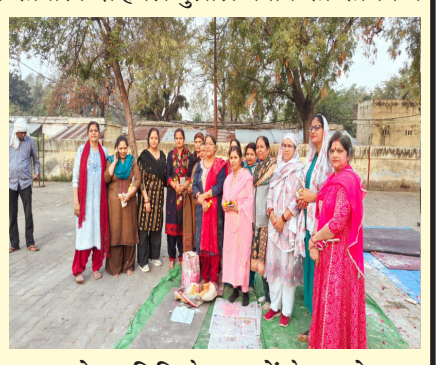

प्रभारी मंजू वार्ष्णेय, यश योग समिति के सदस्यों के सामने बाहर से आई हमारी मुख्य अतिथि महिलाओं ने गुलाल बनाने तरीका बताया के किस तरह से घर में हर्बल गुलाल बनाया जा सकता है इस हर्बल गुलाल से कोई नुकसान नहीं पहुंचता उसके बारे में ,पूनम अग्रवाल, हेमलता जी, सीमा, विभा, सविता, भावना ,मंजू राजपूत, सभी मुख्य महिलाओं ने हर्बल गुलाल बनाने की जानकारी दी, और सभी यश योग समिति के सदस्यों के साथ मिलकर एक दूसरे को हर्बल गुलाल लगाकर होली महोत्सव सभी बनाया गया, यश योग समिति के जिला प्रभारी यशवीर सिंह चौहान जिला महिला प्रभारी आशु वार्ष्णेय सह महिला प्रभारी मंजू वार्ष्णेय बाहर से आई हमारी मुख्य अतिथि सभी महिलाओं का धन्यवाद करते हुए आभार प्रकट किया कार्यक्रम में समिति के सदस्य सहित सैकड़ो की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

जनेह थाना प्रभारी के सक्रियता के चलते अवैध गांजा की खेती करते दो लोगो पर की गई कार्यवाही

क्यूँ न लिखूँ सच -आलोक मिश्रा

जनेह/ रीवा पुलिस अधीक्षक विवेक सिह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक लाल के निर्देशन में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस त्योंथर उदित मिश्रा के मार्गदर्शन मे थाना प्रभारी जनेह कन्हैया सिंह बघेल के नेतृत्व में थाना स्टॉप की टीम द्वारा ग्राम फुलदेउर मे दो लोगो को अवैध करते पाये जाने कार्यवाही । सूचना पर ग्राम अखिलेश सिह सिह उम्र 55 वर्ष लगे हुए खेत मे की खेती किया

अलग अलग गांजा की खेती पर की गई मुखबिर की फुलदेउर मे पिता रामशरण अपने घर से अवैध गांजा है जिस पर छापामार कार्यवाही की गई तो आरोपी के खेत मे अवैध गांजा का 18 नग छोटे बडे पौधे बरामद हुए। जिनका बजन 800 ग्राम था जिस पर एनडीपीएस एक्ट के तहत आरोपी को गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही ग्राम फुलदेउर मे प्रीतम वर्मा पिता रामाश्रय वर्मा उम्र 60 वर्ष के खेत मे अवैध गांजा का 1 नग पेड करीबन 6 फिट लम्बा एवं 2.450 कि.ग्रा. बजन का गांजा बरामद हुआ। जिन पर भी एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानो के तहत कार्यवाही की गयी। तथा दोनो आरोपियो को माननीय न्यायालय मे पेश किया गया है। उक्त कार्यवाही में उप निरी. कन्हैया सिह बघेल थाना प्रभारी जनेह, सउनि प्रमोद कुमार पाण्डेय , प्र.आर. 146 धर्मेन्द्र विश्वकर्मा, प्र.आर. 124 द्वारिका पटेल, आर. 1139 विपिन यादव, आर. 127 अनुज द्विवेदी, आर. 235 अमन सेन महत्वपूर्ण योगदान रहा।

प्रधान से परेशान किसानो ने चौपाल का किया आयोजन जिसके मुख्य अतिथि रहे अजय कुमार चौधरी

क्यूँ न लिखूँ सच

श्रावस्ती विकास खंड हरिहरपुर रानी ग्राम पंचायत भंगही के मजरा कुर्सहा मे भारतीय किसान यूनियन के सदस्य ग्राम सभा की जनता मौजूदा प्रधान लक्ष्मी शरण के गलत कार्य से असंतुष्ट होकर जिले के संबंधित अधिकारियों को प्रार्थना पत्र के माध्यम से अवगत कराते हुए

बताया कि मौजूदा प्रधान लक्ष्मी शरण के कार्यो की जांच करना बहुत जरूरी है आज तक अधिकारियों द्वारा ना तो जांच की गई वह अपने मनमाने ढंग से ग्राम सभा के कार्यों को अंजाम देता है जिसमें उसका बेटा मोतीलाल पूर्ण भूमिका निभा रहा है जो की किसी डाक खाने में कार्यरत है

वह डाकखाने की नौकरी छोड़कर ग्राम सभा में प्रधानी का कार्य करवाता है जिससे ग्रामीणों को बहुत बड़ी असुविधा हो रही है दर्जनो प्रार्थना पत्र देने के बाद सुनवाई न होने पर भारतीय किसान यूनियन के लोगों ने जिला अध्यक्ष अजय कुमार चौधरी को चौपाल के माध्यम से ग्राम सभा में बुलवाया और सारी बातों से अवगत कराया लोगों की बातों को सुनने के बाद में अजय कुमार चौधरी ने बताया

गैर जिम्मेदारञ्ना तरीके से ग्राम सभा में कार्य को अंजाम देता है तो हमारा भारतीय किसान यूनियन संबंधित अधिकारियों से वार्ता करके जांच करने का काम करेगा और जांच में दोषी पाए जाने पर रिकवरी भी करवाइए

चौपाल में उपस्थित भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारी व सदस्यों सहित ग्राम सभा के लोगों ने भी अहम भूमिका निभाई मौजूद लोगों ने अजय कुमार चौधरी की बातों को सुनकर लोगों ने तालिया से स्वागत किया

सपा पिछडा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष शिवराज सिहं कश्यप व प्रिसिंपल डा. संजीव पचौरी सहित दर्जन भर लोगों ने थामा निषाद पार्टी का दामन , दी गयी बडी जिम्मेदारी

क्यूँ न लिखूँ सच

एटा- लोकसभा मिशन 2024 को द्रष्टिगत निषाद पार्टी की पूर्व निर्धारित जिला स्तरीय महत्वपूर्ण बैठक आज रविवार को कासगंज रोड स्थिति सी.डी.एस. पब्लिक स्कूल में निषाद पार्टी के प्रदेश सचिव रामपाल सिंह कश्यप की अध्यक्षता में समपन्न हुई ! बैठक में निषाद पार्टी के जिलाध्यक्ष राकेश कुमार कश्यप ने सर्वप्रथम समाजवादी पार्टी पिछडा वर्ग प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष शिवराज सिहं कश्यप एवं प्रकाश महाविधालय के प्रिसिंपल डा. संजीव पचौरी व सपा नेता दिनेश चन्द कश्यप उर्फ डी. सी. सहित उनके साथ आऐ लगभग दो दर्जन साथियो का माल्यार्पण कर अभिनंदन करते हुए निषाद पार्टी की टोपी पहनाकर निषाद पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराते हुए लोकसभा मिशन 2024 को फतह करने के लिए शिवराज सिहं कश्यप को निषाद पार्टी का वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष तथा

डा. संजीव पचौरी को जिला महासचिव एवं दिनेश चन्द कश्यप उर्फ डी. सी. को जिला सचिव मनोनीत करते हुऐ बडी जिम्मेदारी प्रदान की ! इस अवसर पर जिला स्तरीय पदाधिकारियों से मत्रंणा करते हुऐ फरूखाबाद लोकसभा क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले विधान सभा क्षेत्र अलीगंज एवं आगरा लोकसभा क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले विधान सभा क्षेत्र जलेसर तथा एटा लोकसभा क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले विधान सभा क्षेत्र एटा सदर सहित विधान सभा क्षेत्र मारहरा पर भाजपा निषाद पार्टी गठबंधन उम्मीदवारों के पक्ष में विजय का संकल्प दोहराते हुऐ सभी कार्यकर्ताओं से अपने अपने क्षेत्रों में अभी से जुट जाने के निर्देश दिए गऐ ! बैठक में प्रमुख महासचिव डा. सुभाष शाक्य, डा. पुष्पेन्द्र सिहं यादव, डा. हरबंश सिहं लोधी, महेश वर्मा, सुनहरी लाल कश्यप प्रधान कसैटी, राकेश भारद्वाज, राहुल देव सिहं , ठा. अजीत सिंह सोंलकी, गुलजारी लाल कश्यप, जगदीश कश्यप, सूरज सिहं कश्यप, राजकुमार कश्यप, विशाल उपाध्याय, सत्यराम फौजी, अनिल कुमार वर्मा, रवि कश्यप, देवांश वर्धन कश्यप, प्रवेश राजपूत, सतेन्द्र सिंह यादव, दीपक कश्यप, अतुल कुमार, सुखबीर सिहं सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे !

मजदूरी मांगने पर हत्याः बदायूं में मजदूर को पीटकर मार डाला, खेत में मिला शव; दो आरोपी गिरफ्तार

बदायूं के उद्यैती क्षेत्र में मजदूरी के रुपये मांगने पर मजदूर की हत्या कर दी गई। रविवार सुबह उसका शव गांव के बाहर खेत में मिला। उसके मुंह से खून बह रहा था। मृतक के भाई ने चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। बदायूं के उद्यैती थाना क्षेत्र के गांव ऐपुरा में शनिवार रात मजदूरी के 15,000 रुपये मांगने पर 40 वर्षीय राजदुलार की लाठी-डंडे से पीटकर हत्या कर दी गई। रविवार सुबह उसका शव गांव के बाहर एक खेत में पड़ा मिला। परिवार वालों का कहना है कि मजदूरों के ठेकेदार और पड़ोसी रामपाल पर रुपये बकाया थे। तगादा करने पर गाली-गलौज की गई। फिर खेत में ले जाकर पीट-पीटकर हत्या कर दी। शरीर में चोटों के निशान इसकी गवाही दे रहे हैं।गांव ऐपुरा निवासी राजदुलार हिमाचल प्रदेश में मजदूरी करके अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहे थे। उनकी भाभी सरोज पत्नी चंद्रकेश का कहना है कि राजदुलार करीब पांच साल पहले पंजाब के होशियारपुर जिले में मजदूरी करते थे। उनके पड़ोस का रामपाल उन्हें मजदूरों के साथ पंजाब लेकर गया था। मजदूरी के 15 हजार रुपये रामपाल पर रह गए। राजदुलार ने कई बार अपने रुपये मांगे। जब उसने रुपये नहीं दिए तो राजदुलार पंजाब से अपने परिवार को लेकर हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर जिला चले गए और वहीं मजदूरी करने लगे। घर से बुलाकर ले गए थे आरोपी - 11 मार्च को राजदुलार घर आए थे। तब से वह खेतीबाड़ी संभाल रहे थे। शुक्रवार को वह आलू बेचने चंदौसी गए थे। रात को वहीं रुक गए और शनिवार शाम चंदौसी से लौटे। उन्होंने कुछ शराब भी पी रखी थी। शाम के समय उन्होंने रामपाल से अपने रुपये मांगे। रामपाल ने गालीगलौज कर दी। मोहल्ले के लोगों ने उन्हें समझा बुझाकर मामला शांत करा दिया। भाभी सरोज देवी, राजदुलार को उनके घर ले गईं। रात में आरोपी उनको बुलाकर ले गए। मुंह से निकल रहा था खून -रविवार सुबह पता चला कि राजदुलार की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई है। उनका शव गांव के बाहर खेत में पड़ा है। परिवार के सभी लोग मौके पर पहुंच गए। राजदुलार के मुंह से खून निकल रहा था। शरीर पर चोटों के कई निशान थे।

सूचना पर सीओ बिल्सी सुशील कुमार सिंह मौके पर पहुंच गए। चंद्रकेश ने ठेकेदार रामपाल, उसके बेटे राजेश, हरज्ञान और पड़ोस के विजयपाल पर हत्या के आरोप में एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस ने रामपाल और विजयपाल को गिरफ्तार कर लिया है। एसपी देहात राममोहन सिंह ने बताया कि मजदूर का शव खेत में पड़ा मिला है। उसके शरीर पर काफी चोटों के निशान मिले हैं। उसके साथ मारपीट की गई थी। एफआईआर दर्ज कर ली गई है। दो लोगों से पूछताछ भी की जा रही है। रुपये के लेनदेन का मामला है। छानबीन के लिए पुलिस टीम लगाई गई है।

लोकसभा चुनावः इस सीट पर जीत की हैट्रिक की तैयारी में जुटी भाजपा, गठबंधन के दम पर सपा ने भी बिछाई बिसात

शाहजहांपुर लोकसभा सीट से भाजपा ने एक बार फिर से अरुण सागर पर भरोसा जताया है। भाजपा यहां से लगातार दो बार जीत चुकी है। वहीं सपा ने कांग्रेस के साथ गठबंधन कर राजेश कश्यप को प्रत्याशी घोषित किया है। बसपा ने अब तक प्रत्याशी घोषित नहीं किया है। माना जा रहा है कि कुछ दिनों में बसपा अपना प्रत्याशी घोषित कर देगी।लोकसभा चुनावों की घोषणा होने के साथ ही सियासी सरगर्मी चरम पर पहुंचने लगी है। शाहजहांपुर में लगातार दो बार जीत के बाद हैट्रिक की तैयारी में जुटी भाजपा को रोकने की चुनौती सपा और बसपा के सामने है। गठबंधन के कारण सपा प्रत्याशी को जिताने के लिए कांग्रेस दम लगा रही है। अभी तक टिकट को लेकर स्थिति स्पष्ट न होने के बावजूद बसपा जीत का खाता खोलने के लिए आजमाइश कर रही है। आंकड़ों की बात करें तो अब तक हुए 17 लोकसभा चुनावों में कांग्रेस ने सबसे ज्यादा बार, जनता दल ने दो बार, सपा ने दो बार जीत कृष्णाराज सांसद और बाद में केंद्रीय राज्यमंत्री ने जीत हासिल की। 2024 में भाजपा ने एक बार वहीं, सपा ने कांग्रेस के साथ गठबंधन कर राजेश घोषित नहीं किया है। माना जा रहा है कि कुछ लिए आठ आवेदन बसपा को मिले हैं। इनमें अध्यक्ष बहादुरलाल आजाद, महेश गौतम, पूर्व शाहजहांपुर में लोकसभा चुनाव में जीत हासिल नंबर पर जरूर रहा था। ऐसे में माना जा रहा है कि चुनावों का मतदान प्रतिशत-2009 के लोकसभा

नौ बार जीत हासिल की है। जनता पार्टी, हिंदू महासभा ने एक दर्ज की है। 2014 में पहली बार भाजपा ने खाता खोला। भी बनीं। 2019 में भी भाजपा के प्रत्याशी अरुण कुमार सागर फिर से अरुण सागर पर भरोसा जताते हुए प्रत्याशी बनाया है। कश्यप को प्रत्याशी घोषित किया है। बसपा ने अब तक प्रत्याशी दिनों में बसपा अपना प्रत्याशी घोषित कर देगी। टिकट के शालिनी सिंह, पूर्व प्रत्याशी अमर चंद जौहर, पूर्व जिला पंचायत जिलाध्यक्ष उदयवीर प्रमुख नाम हैं। बसपा को अब तक नहीं हुई है। 2014 और 2019 के चुनाव में बसपा प्रत्याशी दूसरे बसपा भी 2024 के चुनाव में कड़ी टक्कर देगी। पिछले तीन चुनाव में केवल 48.84 प्रतिशत ही मतदान। 2014 के लोकसभा चुनाव में 57. 04 प्रतिशत मतदान हुआ। 2019 के आम चुनाव में कुल 55.85 प्रतिशत मतदान हुआ। राममंदिर और विकास कार्यों के दावे के साथ हर वर्ग पर भाजपा का दावा -ठाकुर, ब्राह्मण और वैश्य बिरादरी के वोट के साथ ओबीसी और अनुसूचित जाति के वोटों पर भाजपा की नजर है। भाजपा प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, आयुष्मान योजना, आवास योजना आदि के जरिये मुस्लिम मतदाताओं को भी रिझाने का प्रयास कर रही है। वर्तमान सांसद अरुण सागर जाटव बिरादरी से आते हैं। अनुसूचित जाति के वोटरों में करीब आधे जाटव बिरादरी के वोट माने जाते हैं। तिलहर और जलालाबाद विधानसभा सीट पर भाजपा विधायक ओबीसी बिरादरी से आते हैं। ओबीसी बिरादरी के वोटों को भाजपा के पक्ष में करने का जिम्मेदारी भी उन पर आती है। भाजपा राम मंदिर के नाम पर लगभग हर बिरादरी के वोट पर दावा कर रही है। मुस्लिम-यादव और कश्यप बिरादरी के वोट पर सपा की नजर-पिछले चुनाव में सपा से गठबंधन के बावजूद बसपा प्रत्याशी को ढाई लाख से ज्यादा वोट से हार झेलनी पड़ी थी। मुस्लिम, यादव और अनुसूचित जाति के वोट का भरोसा काम नहीं आया था। इस बार सपा ने राजेश कश्यप को प्रत्याशी बनाया है। कांग्रेस से गठबंधन के कारण सपा करीब तीन लाख मुस्लिम मतदाताओं के अपने पक्ष में होने का दावा कर रही है। तकरीबन 1.75 लाख यादव वोट भी प्रभावी भूमिका निभाएगा। लगभग 1.5 लाख कश्यप बिरादरी के वोट का भी आसरा है। इसके अलावा भी अन्य बिरादरी के वोट पाने की सपा प्रत्याशी को उम्मीद है। कश्यप और यादव के अलावा भी ओबीसी मतदाताओं की संख्या अच्छी-खासी है। लोधी, मौर्य आदि बिरादरी के वोट पाने की जुगत में भाजपा और सपा लगी हुई है। भाजपा के सामने कांग्रेस-सपा गठबंधन की चुनौती -2004 में कांग्रेस प्रत्याशी जितिन प्रसाद ने जीत दर्ज की थी। इसके बाद 20 सालों में हुए तीन लोकसभा चुनावों में कांग्रेस प्रत्याशी दूसरे नंबर पर भी नहीं आ सके। हालांकि 2019 में बसपा से गठबंधन के कारण सपा को अपनी सीट छोड़नी पड़ी थी, तब भी गठबंधन के बसपा प्रत्याशी को 268413 वोटों से हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में सपा के लिए कांग्रेस से गठबंधन कितना मददगार साबित होगा, यह वक्त ही बताएगा।

51 मानसिक बाधित महिलाओं के लिए दैनिक उपयोगी सामग्री वितरण की गई

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली।- वरिष्ठ नागरिक सामाजिक सेवा समिति द्वारा राजकीय मानसिक बाधित आश्रय गृह तथा प्रशिक्षण केंद्र हरूनगला में 51 मानसिक बाधित महिलाओं के लिए दैनिक उपयोगी सामग्री आश्रम संचालक तथा होस्टल वार्डन को एस0 के0 कपूर महामंत्री, प्रभाकर मिश्रा वरिष्ठ उपाध्यक्ष,वी0 के0 मिश्रा कोषाध्यक्ष, आशिमा गुप्ता महिला संयोजिका,रामबाबू अग्रवाल संरक्षक, शिव कुमार बरतरिया संरक्षक,नीता सक्सेना सह महिला संयोजिका,मुख्य संयोजक एम एल गुप्ता तथा परवेन्द्र रायजादा संयोजक गण ने प्रदान किया।दैनिक उपयोगी सामग्री में साबुन कंघा तेल शीशा पेस्ट ब्रश टूथ पाउडर कपड़े धोने का साबुन तौलिया बिस्कुट नमकीन फल आदि अन्य मनपसंद वस्तु खाद्य पदार्थों का वितरण किया गया, जिसके लिए संचालक नवीन जौहरी तथा वार्डन अनुजा ने हृदय तल से आभार प्रकट किया।इस मौके पर वेद प्रकाश सक्सेना कातिब,अनिल सक्सेना,राजीव कांत अग्रवाल,सर्वेश चंद अग्रवाल,की भी सक्रिय भागीदारी रही। स्टेट बैंक के एक बहुआयामी व्यक्तित्व 0ए के0 सिन्हा का मंच पर अभिनन्दन किया गया। आशिमा गुप्ता महिला संयोजिका,राम बाबू अग्रवाल संरक्षक,राजीव अस्थाना,के के महेश्वरी जी ,परवेंद रायजादा को इस पुनीत कार्य में आर्थिक मदद प्रदान करने के लिए संस्था की ओर से आभार व्यक्त किया गया।इस आश्रय गृह में 51 महिलाएं हैं और मानसिक बाधित होने के कारण बच्चों सा व्यवहार करती हैं।नीलू सोनी गीता पूजा गुलबक्शा आदि ने गीत नृत्य की प्रस्तुति दी। अपने द्वारा बनाए गए सिलाई कढ़ाई के सामान हैंडीक्राफ्ट का प्रदर्शन किया। सभी ने चित्र कला प्रतियोगिता में सहभागिता कर सुंदर रूप से चित्रों में रंग भरे तथा इन महिला रूपी बच्चों ने दो राउंड म्यूजिकल चेयर का बड़े ही सुन्दर रूप से गेम भी खेला।समिति द्वारा बच्चों महिलाओं को पंक्ति में बिठा कर उनका मनपसंद जलपान करवाया जिसे उन्होंने बड़े आनंद ले कर खाया।इस अवसर पर श्रीमति नीता सक्सेना तथा अनिल सक्सेना द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।बच्चों के द्वारा राष्ट्रीय गान के साथ कार्यक्रम प्रारंभ हुआ।प्रदीप सक्सेना, दिव्यांश तथा राघव अग्रवाल इस मौके पर प्रशिक्षण केंद्र के अन्य टीचर्स तथा होस्टल के सहायक भारती ,नीलम , लता, आदि मौजूद रहे।

शामली वाल्मीकि समाज सफाई कर्मचारियों की समस्याओं को शामिल करने की दोनों पार्टियों के राष्ट्रीय अध्यक्षों को पत्र लिखकर की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच
राकेश गुप्ता
क्यूँ न लिखूं सच

शामली समस्याओं को शामिल कराने की दोनों पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्षओ को पत्र लिखकर की मांग अरविंद झंझोट राष्ट्रीय वाल्मीकि समाज प्रतिनिधि मंच के मुख्यालय मोहल्ला पंसारियांन वाल्मिकी कॉलोनी जनपद शामली में राष्ट्रीय वाल्मीकि समाज प्रतिनिधि मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद झंझोट की अध्यक्षता में एक बैठक हुई जिसमें सभा का संचालन प्रमोद कश्यप ने किया में संगठन के लोगों ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय अर्जुन सिंह खड़ेगे जी को एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय राहुल गांधी जी कांग्रेस पार्टी को एवं माननीय श्री अखिलेश यादव जी पूर्व मुख्यमंत्री एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजवादी पार्टी को पत्र लिखकर राष्ट्रीय बाल्मीकि समाज प्रतिनिधि मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद झंझोट ने वाल्मीकि समाज की ओर से लिखे पत्र में कहां की वर्ष 2024 में होने जा रहे लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी समाजवादी पार्टी के गठबंधन में 5 टिकट वाल्मीकी समाज के लोगों को दिलाने की जिसमें एक टिकट समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव माननीय प्रभु दयाल वाल्मीकि पूर्व मंत्री को दिलाने एवं दूसरा टिकट माननीय पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सफाई कर्मचारी आयोग केंद्रीय पूर्व मंत्री कांग्रेस वरिष्ठ नेता चौधरी हर्षवर्धन वाल्मीकि को दिलाने की और पूरे भारत से ठेके प्रथा समाप्त करने की और नगर पालिका परिषदो स्थानीय निकायों में संविदा में कार्यरत संविदा सफाई कर्मचारी एवं ठेके व्यवस्था में कार्यरत सफाई कर्मचारी को समान वेतन करते हुए नियमित कराने और नगर पालिका परिषद में आवश्यकता अनुसार स्थाई भर्ती कराने की उक्त समस्याओं को पार्टी द्वारा गठबंधन घोषणा पत्र में सफाई कर्मचारी की समस्याओं को भी शामिल कराने की बड़ी उम्मीद के साथ आशा करते हुए अनुरोध किया है उक्त अवसर पर संगठन का राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद झंझोट प्रमोद कश्यप कुमार अरुण झंझोट नंदू प्रसाद वाल्मीकि जिला संयोजक राष्ट्रीय बाल्मिक समाज प्रतिनिधि मंच शामिल रहे

संक्षिप्त समाचार

शहर विधायक ने छात्र -छात्राओं को बांटे स्मार्टफोन,सरकार सदैव छात्र हित में कर रही है कार्य डॉक्टर अरूण कुमार सक्सेना

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली- रिठौरा। नगर के मैस्कॉट कॉलेज शनिवार को वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ अरुण कुमार ने शासन द्वारा दिए गए फोनों के वितरण कार्यक्रम में पहुंचे श्री सक्सेना एवं कालेज के मैनेजिंग डायरेक्टर अंकित अग्रवाल ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर बोलते हुए श्री सक्सेना ने कहा प्रदेश की सरकार लगातार छात्र-छात्राओं के हित में कार्य करने में लगी है। बच्चों को बेहतर एवं तकनीक शिक्षा से जुड़ने के लिए निशुल्क स्मार्टफोन वितरित किये। जिन्हें पाकर छात्र -छात्राओं के चेहरे खिल उठे।इस मौके पर संस्थान के अध्यक्ष शिव कुमार अग्रवाल , प्राचार्य डॉक्टर जयकरन माथुर, निदेशक फार्मेसी डॉक्टर आलोक उपाध्याय डॉक्टर प्रेम पाल सिंह, डॉक्टर सोमा गौड़, राशिद, आदि स्टाफ मौजूद रहा।

आदर्श आचार संहिता उल्लंघन पर होगी कड़ी कार्रवाई - डीएम

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती- लोकसभा सामान्य निर्वाचन के दृष्टिगत जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में प्रेसवार्ता आयोजित की गई। प्रेसवाता के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जनपद में आदर्श आचार संहिता का अक्षरशः पालन कराया जायेगा। जिसके लिए जनपद के सभी सार्वजनिक स्थलों पर होर्डिंग, बैनर इत्यादि को हटाया जा रहा है। यदि कोई भी व्यक्ति आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करते पाया गया तो उसके विरूद्ध कड़ी कार्यवाही अमल में लायी जायेगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया है कि जिले में निर्वाचन 6वें चरण में सम्पन्न होगा। जनपद में 02 विधान सभाएं भिनगा एवं श्रावस्ती है, जिनमें मतदान केन्द्र-500 तथा मतदेय स्थलों की संख्या 844 हैं। विधान सभा भिनगा में कुल 210270 पुरुष मतदाता, 183143 महिला मतदाता व 02 ट्रांसजेंडर मतदाता है। वहीं विधान सभा क्षेत्र श्रावस्ती में 222338 पुरूष मतदाता व 198809 महिला मतदाता व 14 ट्रांसजेंडर मतदाता है। इस प्रकार दोनों विधान सभाओं में कुल 814576 मतदाता है। इसके अलावा जनपद का जेण्डर रेशियों 883 तथा ई0पी0 रेशियों 54 है। इस अवसर पर सीडीओ अनुभव सिंह, एडीएम अमरेन्द्र कुमार, सीएमओ डा0 ए0पी0 सिंह, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी छोटेलाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बोलेरो की टक्कर से बाइक सवार हुआ घायल, नेशनल हाईवे 730 कटरा हवाई पट्टी चौराहा पर हुआ हादसा

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविन्द कुमार यादव

श्रावस्ती- श्रावस्ती बोलेरो की टक्कर से नेशनल हाईवे 730 कटरा हवाई पट्टी चौराहे पर बाइक सवार घायल हो गया। नवीन मार्डन थाना क्षेत्र के ह॥

730 हवाई पट्टी चौराहा पर बोलरो ने टक्कर मार दी। कटरा बाजार निवासी शिवनाथ चौधरी 30 वर्ष पुत्र छागुर चौधरी बाइक से हवाई पट्टी घौर पार करके वीरपुर से जा रहे थे कि तेज रफ्तार बोलेरो ने बाइक सवार को टक्कर मार दी जिससे बाइक सवार दो लोग घायल हो गए। वहीं स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची 108 एम्बुलेंस की सहायता से घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इकौना में भर्ती कराया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने हालत गंभीर देखते हए जिला अस्पताल रिफर कर दिया।

62वीं वाहिनी एस. एस. बी. ने लगाया निःशुल्क मानव चिकित्सा परामर्श शिविर

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती- श्रावस्ती 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल भिनगा कमांडेंट के दिशा- निर्देशन में सीमा चौकी भरथा के अंतर्गत आने नती वाले गाँव सदईपुरवा में निःशुल्क मानव चिकित्सा परामर्श शिविर(OPD) का आयोजन किया गया। जिसमे डॉ. अजीत उप-कमांडेंट क्यों (चिकित्साधिकारी) द्वारा गाँव सदईपुरवा के 14 ग्रामीणों को नि: शुल्क ननने परामर्श के साथ दवाओं का वितरण किया गया। ग्रामीणों को अच्छे स्वास्थ्य में के प्रति सजग एवं सचेत रहने के लिए जागरूक करते हुए सर्दी के मौसम में होने वाली बीमारियों जैसे सर्दी जुकाम, खांसी, मलेरिया, डेंगू, बुखार ई। आदि रोगों से बचने के उपाय बताये। डॉ. अजीत उप-कमांडेंट (चिकित्साधिकारी) के साथ एसएसबी के अन्य जवान उपस्थित रहे।

वाहन चलाते समय मोबाइल से बात ना करें - पुलिस अधीक्षक

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती- पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया के निर्देश पर यातायात पुलिस ने वाहनों की चेकिंग एवं यातायात के नियमों से लोगों को अवगत कराया जिससे वाहन से दुर्घटना को कम किया जा सके। इस क्रम में यातायात निरीक्षक दिलीप कुमार यादव तथा उप निरीक्षक मो0 शमी एवं हेड कांस्टेबिल आलोक शुक्ला, मगलेश यादव ने भिनगा सेमरी मार्ग पर वाहन रोककर यातायात के नियमों से दो पहिया व चार पहिया वाहन चालकों को अवगत करायां। साथ ही सड़क पर वाहन चेकिंग कर लोगों को नियमों के प्रति जागरूक किया। यातायात के प्रभारी निरीक्षक दिलीप कुमार यादव ने वाहन चालकों से कहा कि वाहन चलाते समय मोबाइल से कत्तई बात न करें इससे दुर्घटना होने की प्रबल सम्भावना है। दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट अवश्य लगाये वहीं चार पहिया वाहन के चालक सीट बेल्ट अवश्य लगायें, वाहन चलाते समय कत्तई मोबाइल फोन से बात न करें वाहन चलाते समय शराब पीना पूरी तरह से कानूनन अपराध है इससे दुर्घटना होने की सम्भावनायें प्रबल रहती हैं। वाहन हमेशा निर्धारित स्पीड से ही चलायें। ओवर लोडिंग न करें वाहन को निधारित स्थान पर ही खड़ा करें।

कुशीनगर से लोकसभा चुनाव लड़ने की तैयारी में स्वामी प्रसाद मौर्य, इंडिया गठबंधन से मिल सकता है समर्थन

राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी के संस्थापक और पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य को इंडिया गठबंधन से प्रत्याशी बनाया जा सकता है। कांग्रेस के रणनीतिकार उन्हें जिताऊ उम्मीदवार मान रहे हैं। पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य कुशीनगर से लोकसभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। इसके लिए वह इंडिया गठबंधन से समर्थन जुटाने के लिए भी काम कर रहे हैं। यही वजह है कि सपा छोड़ने के बाद भी स्वामी प्रसाद मौर्य लगातार कह रहे हैं कि उनका अखिलेश यादव से कोई बैर नहीं है। वहीं, कांग्रेस के रणनीतिकार भी उन्हें जिताऊ उम्मीदवार मान रहे हैं।कुशीनगर से स्वामी प्रसाद का लंबा रिश्ता है। वे वर्ष 2009 में कुशीनगर (तब पडरौना) से बसपा के टिकट पर लोकसभा का चुनाव लड़े थे लेकिन 20 हजार वोटों के अंतर से वह कांग्रेस प्रत्याशी आरपीएन सिंह से हार गए थे। तब आरपीएन सिंह पडरौना सीट से विधायक थे। उनके सांसद बनने के बाद पडरौना सीट पर हुए उप चुनाव में स्वामी प्रसाद बड़े अंतर से जीत गए। वर्ष 2012 में भी वे इस सीट से बसपा के टिकट पर विधायक चुने गए और नेता प्रतिपक्ष बन गए। वर्ष 2017 में मायावती से विवाद के बाद वह भाजपा में आए और पडरौना से ही लगातार तीसरी बार भाजपा के टिकट पर विधायक चुने गए। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले एक बार फिर स्वामी प्रसाद ने पलटी मारी और कैबिनेट मंत्री के पद से इस्तीफा देकर सपा में शामिल हो गए। इस चुनाव में उन्होंने पडरौना सीट छोड़ दी और कुशीनगर जिले की ही फाजिलनगर सीट से सपा के टिकट पर मैदान में उतरे। फाजिलनगर सीट कुशवाहा बहुल सीट है, इसलिए स्वामी प्रसाद मौर्य का आकलन था कि वे यहां से आसानी जीत जाएंगे। मगर यह चुनाव वह भाजपा प्रत्याशी सुरेंद्र कुशवाहा से हार गए।

बाद में सपा ने उन्हें एमएलसी बनाया लेकिन राज्यसभा चुनाव के दौरान उन्होंने पीडीए की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए सपा और विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। बाद में उन्होंने दिल्ली के ताल कटोरा स्टेडियम से राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी बनाने की घोषणा की लेकिन उनका यह शो भीड़ के लिहाज से कामयाब नहीं रहा। बताते हैं कि एनडीए की ओर से भी उन्हें कोई तवज्जो नहीं मिली। इंडिया गठबंधन के सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस के रणनीतिकार मानते हैं कि कुशीनगर में स्वामी प्रसाद अच्छी फाइट देंगे। यही कारण है कि हाल ही में लखनऊ आए कांग्रेस के यूपी प्रभारी अविनाश पांडे, स्वामी प्रसाद से मिलने उनके गोमती नगर स्थित आवास पर भी गए। बताते हैं कि स्वामी प्रसाद इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी के तौर पर कुशीनगर से भाग्य आजमाना चाहते हैं। हालांकि यह तय नहीं है कि वे किस पार्टी के सिंबल पर चुनाव लड़ेंगे। जानकार बताते हैं कि इंडिया के समर्थन से चुनाव लड़ने की रणनीति के चलते ही स्वामी प्रसाद मौर्य अपनी राजनीतिक प्रकृति के विपरीत सपा नेतृत्व पर कोई निशाना नहीं साध रहे हैं।

खाना बनाते समय सिलिंडर में लगी आग, मां-बेटी और बेटा बुरी तरह झुलसे; महिला की हालत नाजुक

उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में शनिवार की देर शाम को खाना बनाते समय गैस सिलिंडर में आग लग गई। हादसे में मां-बेटी और बेटा गंभीर रूप से झुलस गए। सभी को उपचार के लिए सरकारी ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। यहां महिला की स्थिति चिंताजनक बताई जा रही है। घर पर खाना बनाते समय सिलिंडर में आग लग गई। आग से मां-बेटी और बेटा बुरी तरह झुलस गए। महिला की हालत नाजुक बताई जा रही है। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना थाना दक्षिण क्षेत्र के मोहल्ला हिमांयूपुर की बीती रात करीब नौ बजे की है। यहां के निवासी रामखिलाड़ी घर पर रसोई गैस सिलिंडर लीक होने से गैस निकलने लगी। खाना बनाते समय गैस सिलिंडर में आग पकड़ ली। उससे निकली चिंगारी से मां-बेटी के कपड़े में आग पकड़ ली। बचाने भागा बेटा भी झुलसा- घर में मौजूद बेटा पवन दोनों को बचाने के लिए भागा। बचाते समय उसके हाथ-पांव भी झुलस गए।ोस के लोग भागकर पहुंचे। देखा तो ओमवती, पुत्री लाडो और बेटा पवन गंभीर रूप से झुलस गए थे।

IHRCCO भारत के राष्ट्रीय प्रभारी मीडिया सेल मान .मनोज वर्मा जी (स्वतंत्र) उत्तराखंड हरिद्वार के कार्यक्रम में होंगे शामिल

क्यूँ न लिखूँ सच

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन भारत के राष्ट्रीय प्रभारी मीडिया सेल माननीय मनोज वर्मा जी स्वतंत्र 20 मार्च को होने वाले संगठन के अंतरराष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में शामिल होने के लिए मुंबई से रवाना होंगे । मुंबई कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार श्री वर्मा जी स्वतंत्र 20 को हरिद्वार में सम्मेलन के बाद होली मिलन समारोह में भी शामिल होंगे । 21 मार्च को श्री स्वतंत्र जी संगठन के चेयरमैन, अध्यक्ष, संस्थापक ,ब्रांड एम्बेसडर मान पंडित मोहित नवानी जी से मुलाकात कर छत्तीसगढ़ के कार्यकारणी सदस्यों की सूची सौंपेंगे साथ ही साथ महाराष्ट्र एवं छत्तीसगढ़ दौरे में आने के लिए आमंत्रित भी करेंगे जिससे संगठन की मजबूती का जायजा लिया जा सके । श्री स्वतंत्र जी ने बताया की हमें संगठन से जो भी काम दिया जाता है उसे हम पूरी जिम्मेदारी के साथ सभी सदस्यों के साथ मिलकर पूरा करते है इसके बाद 21 को ही दोपहर में श्री वर्मा जी दिल्ली रवाना हो जायेंगे और संगठन कार्यालय में कुछ अहम बैठक को संबोधित करेंगे । उसके बाद श्री स्वतंत्र जी दिल्ली से रायपुर के लिए रवाना हो जायेंगे । जहा पर 27 मार्च को संगठन की अति आवश्यक बैठक के साथ साथ होली मिलन समारोह का आयोजन माता कुंती देवी मीडिया हाउस में IHRCCO , छत्तीसगढ़ पत्रकार जनकल्याण संगठन,प्रथम दस्तक न्यूज नेटवर्क, दानवान ग्रुप के साथ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संगठन को आगे बढ़ाने की दिशा में कार्य किया जायेगा। श्री स्वतंत्र जी 28 मार्च को शाम मुंबई की एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए रायपुर से रवाना होंगे।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

Rabies: Can death occur after a dog bite even after taking the vaccine? Know what is the expert's opinion

The news of death of a girl due to rabies has come to light in Maharashtra. It is a matter of concern that the woman lost her life even after taking the vaccine to protect against rabies. In such a situation, the question is whether it is possible for any death to occur after a dog bite even after taking the vaccine. To know about this in detail, we talked to experts. Recently, a woman died in Maharashtra after getting rabies vaccine. This is a serious disease, which usually occurs due to dog bites. In such a situation, the question is whether rabies can kill even after taking the vaccine? Rabies is a dangerous disease, which is usually spread by dog bites. This is a serious disease, which can be fatal if proper treatment is not received at the right time. Recently, a similar case has come to light from Kolhapur, Maharashtra. Here a 21-year-old girl, who was a victim of rabies after being bitten by a dog, had also completed vaccination to prevent rabies infection after dog. However, the girl died. Surprisingly, the girl died just three days after completing her vaccination (Rabies Vaccination). This is a very rare and matter of concern. After this case came to light, questions are coming in people's mind that even after getting rabies vaccine, this disease can kill? In such a situation, to know the answer to this question, we talked to Dr. MK Singh, HOD, Internal Medicine Department, Maringo Asia Hospital, Gurugram. Is death possible after the vaccine? - Answering this question, the doctor said that this is unbelievable. Although relatively rare, it is still possible for someone to die from a dog bite, even after getting vaccinated. Vaccination is important to prevent the spread of this disease, especially for rabies, which is given after a dog bite. Once symptoms appear, rabies is almost always fatal. It is a viral infection, usually spread through the saliva of infected animals such as dogs. How important is rabies vaccine? Explaining the importance of rabies vaccine, doctors say that to prevent rabies, people who have been bitten by dogs, especially in areas where this disease is common, usually get several rabies vaccines. Let's go. These vaccinations are very effective in preventing rabies if given soon after exposure. Possible causes of death after vaccination - Talking about the death of a woman who died after completing the rabies vaccination course, the doctor explains that even after vaccination is completed, rabies can still affect a person in incredibly rare circumstances. . This can happen if the vaccination is not given correctly or if the immune system of the person receiving the vaccine does not respond adequately to it. Additionally, the vaccine will not protect against rabies if the person already has the disease at the time of vaccination. Other causes of death - Apart from this, the doctor also mentioned other possible causes of death after vaccination after dog bite, which include the following - previous rabies infection, allergic reaction to the vaccine, delayed or wrong vaccination, such rabies strain. Coming in contact with rabies, against which the vaccine is ineffective. Also keep in mind that doctors remain aware of the recent case that has come to light. This case comes to light that it is important to immediately treat a dog bite to reduce the possibility of spreading rabies. How important it is to complete vaccination on time and with proper medical support.

Thandai was first offered to Lord Shiva, know the importance of drinking it on Holi.

The festival of Holi (Holi 2024) is just around the corner. Everyone is busy preparing for this festival. This festival of colors is celebrated with great pomp across the country. During this time, different types of dishes can be tasted. Thandai is one of these which is usually prepared with bhang and dry fruits. Let us know what is its history. Drinking Thandai on the day of Holi has its own significance. It is usually made from hemp and dry fruits. It is said that it was first built for Lord Shiva. These days everyone is busy preparing for the festival of Holi (Holi 2024). As soon as the month of Phalgun arrives, people eagerly wait for this festival. This festival of colors is celebrated every year on the full moon day of Phalgun month. This is one of the biggest and important festivals of Hindu religion, which is celebrated every year with great pomp throughout the country. It is not possible for there to be a festive occasion and there is no mention of food. Apart from colors, the festival of Holi is also known for its delicious dishes. Thandai (Thandai History) is one of these, without which this festival is considered incomplete. Thandai is a traditional Indian drink, which has been enjoyed for centuries. Drinking it especially during Shivratri and Holi has its own significance. This is the reason why people celebrate Holi by drinking different types of Thandai, but do you know how Thandai started and what is its history. If not, then today let us know about the history of Thandai - History of Thandai - The history of Thandai dates back to ancient India. It was believed to have medicinal properties and was used to cool the body and calm the senses. "Thandai" is derived from the Hindi word "thanda". This drink is made from a mixture of milk, nuts and spices. Talking about its history, it is believed that Thandai was first offered to Lord Shiva and is also popular during Mahashivratri. Lord Shiva and Mother Parvati got married on this day. At the same time, according to another popular belief regarding this, it is said that Bhang Thandai is consumed on Holi to celebrate Mahashivratri i.e. the return of Lord Shiva from an ascetic (renunciation) life to family life (grihasthya) after marriage. . The first record of Thandai dates back to 1000 BC, due to which it is considered to be the oldest drink in the country. Benefits of Thandai – The tradition of Thandai has been going on since ancient India. It was consumed for its cooling and medicinal properties. To make it, natural ingredients like fennel seeds, melon seeds, almonds etc. are used, which helps in keeping the body cool. It is drunk to cool the body and refresh the senses. It is also popular as a refreshing summer drink and is easily available in street stalls and restaurants across India. You can make thandai with this recipe - Ingredients- Full cream milk: 1 1/2 liters Soaked and peeled almonds: 25 Soaked cashews: 20 Pistachios, boiled and peeled: 30 Soaked melon seeds: 3 tbsp Poppy seeds/posto Soaked: 3 tbsp Saffron (Saffron): Some Fibers- Sugar: 1 1/2 cups Green Cardamom: 8-10 Rose Petals: 20-25 Cinnamon: 1 inch stick Black Pepper: 8-10 Method of Preparation- First of all, grind almonds, cashews, pistachios, melon seeds and poppy seeds with a little milk and make a fine paste. Now boil milk in a pan and add saffron to it and mix. When the milk starts boiling, add sugar to it and cook on low flame until the sugar dissolves. Then grind green cardamom, dry rose petals, cinnamon and black pepper together finely. Add this paste to milk and mix well. Cook on low flame for three to four minutes. Add ground powder to milk and mix well. Cool the milk and serve.

Are your children also reluctant to eat bitter gourd, then they will not be able to refuse these tasty dishes.

Bitter gourd is very beneficial for our health. People often avoid eating it because of its bitter taste. Especially children often show tantrums while eating it. In such a situation, it becomes difficult for parents to feed bitter gourd to children. If you too are often troubled due to this reason, then you can try these bitter gourd dishes. Bitter gourd, which is bitter in taste, is very beneficial for health. However, many people avoid it because of its taste. In such a situation, you can include it in your diet by making some tasty and healthy dishes. Karela (Karela Dishes) is a vegetable which very few of us like. She comes. Especially children do not like it at all. People do not like bitter gourd because of its bitter taste. However, it is considered very beneficial for health. Nutrients like iron, potassium, zinc, vitamin C are found in bitter gourd, which help in keeping the body healthy. Bitter gourd is no less than a boon for diabetic patients. In such a situation, it is important to make it a part of your diet. If you or your children pretend to eat bitter gourd, then today we will tell you about some such tasty dishes of bitter gourd, eating which even those who do not eat bitter gourd will start eating it. Let us know some tasty dishes made from bitter gourd - Stuffed bitter gourd is easy to make and it is a very tasty vegetable. It is made by filling it with spices and frying it well, which enhances the taste of the food. Stuffed bitter gourd does not even taste bitter. It tastes amazing with roti and paratha. Curd Bitter Gourd-You must have eaten Curd Potato. Curd bitter gourd is also prepared in the same way, which is very tasty to eat. Adding curd further enhances its taste and also removes its astringency. Make sure to try this in lunch. Bitter Gourd Fry – Bitter gourd fry is crispy and crunchy to eat, that is why children like it. Bitter gourd fry can be easily eaten with roti or dal-rice. Make it for lunch or dinner and try it. Everyone likes bitter gourd chips. In such a situation, this time try bitter gourd chips instead of potato chips. These will taste very tasty to eat with evening tea. If you sprinkle a little chaat masala on it and eat it, its taste will increase further.

Rubina Dilaik went on a romantic date with husband Abhinav Shukla, heart will skip a beat after seeing the couple's cozy pictures.

Whenever we talk about famous small screen actresses, Rubina Dilaik's name is definitely included in it. Rubina, who is on a break from acting, is very active on social media. Meanwhile, some of her latest pictures have surfaced in which she is seen having fun on a romantic date with her husband and TV actor Abhinav Shukla. Rubina Dilaik went on a romantic date.

Gave a cozy pose with husband Abhinav Shukla - latest pictures went viral on social media. Actress Rubina Dilaik, who has made her special identity with the TV serial Chhoti Bahu, does not need any separate introduction. With her amazing acting on the small screen, Rubina has left her mark in every household of the country. This is the reason why Rubina is considered one of the popular actresses of the TV industry. Rubina Dilaik is on a break from the acting world after the birth of her twin daughters. Meanwhile, her latest pictures have surfaced on social media, in which she is seen enjoying a romantic date with her husband and TV actor Abhinav Shukla. Latest pictures of Rubina Dilaik surfaced - These days Rubina Dilaik is completely active on the social media platform Instagram. Meanwhile, on Saturday he shared the latest pictures on his official handle. Actually, these pictures of Rubina were taken during a romantic date with her husband Abhinav Shukla. The actress has written in the caption of the photo - After a long time, got a chance to go on a night date. In these photos you can see that Rubina is seen being cozy with Abhinav. Overall, these romantic pictures of Rubina and Abhinav are quite wonderful. The situation is that these pictures of this popular small screen couple have now become a topic of discussion. Fans are liking and commenting heavily on these photos. Due to which she is making waves on the internet. Rubina is known for these TV shows - During her acting career, Rubina Dilaik has worked in many popular TV shows. Which includes serials like Punar Vivah, Chhoti Bahu and Shakti-Astitva Ki Ehsaas Ki. Apart from this, she has also been the winner of Salman Khan's reality show Bigg Boss 14.

Kiara Advani's photo leaked from the set of Game Changer, Ram Charan seen in this look

Fans are eagerly waiting for RRR film star Ram Charan's next film Game Changer. For a long time, there is a lot of talk about Game Changer, which is being made under the direction of director Shankar. Ram Charan and Kiara Advani are currently busy shooting for this movie. During this time, the latest photos of these two have been leaked from the set. The audience is eager to see South superstar Ram Charan, who achieved new success with director SS Rajamouli's film RRR, make a comeback on the big screen. The name of the actor's upcoming film is Game Changer, which has been discussed for a long time. B Town actress Kiara Advani is going to be seen in an important role with Ram Charan in this movie. These days the shooting of Game Changer is going on. In such a situation, the latest pictures of both the film actors from the sets of the film have been leaked on social media. Photo of star cast leaked from the set of Game Changer - It is often seen that pictures of star cast from the sets of films keep getting leaked every day. Recently some photos of superstar Hrithik Roshan were leaked from the sets of War 2. Now a new name is being added to this list of Ram Charan and Kiara Advani. Pictures of these two have been leaked from the set of the film Game Changer, which are now going viral on the social media platform X. In these photos you can see that Kiara is looking completely different in saree. Whereas Ram Charan's look in formal paint shirt looks very different. In these pictures you can see that Kiara and Ram have been spotted on the shooting set of their film. The situation is that these photos of both of them are now being discussed a lot. This director's film is Game Changer - Ram Charan and Kiara Advani's Game Changer is being directed by South Cinema's veteran filmmaker Shankar. This is the same Shankar, who has previously made great films like I, Robot and Aparachit. It is expected that Shankar's Game Changer will also continue the success streak.

Thrown out of 'Mother India', left a mark in Hollywood, know who is the first Indian actor?

Many Indian actors have hoisted the flag of success in Hollywood but do you know who started it? 80 years ago, a man born in a family in Mysore entered Hollywood for the first time and earned fame across the world. That Indian actor worked in Hollywood but the dream of doing Hindi films remained just a dream. The first Indian actor entered Hollywood in 1937. He got the role of Sunil Dutta in Mother India. He served in the Air Force for America during World War II. Many veteran actors of the film world not only created the magic of their skills in Indian cinema but also hoisted the flag of success in foreign countries. Many stars including Amitabh Bachchan, Aishwarya Rai, Alia Bhatt, Anupam Kher, Dimple Kapadia, Irrfan Khan and Ali Fazal also shone in Hollywood. Today Priyanka Chopra is less active in Bollywood and more active in Hollywood. After earning name in Hindi cinema for years, actors go to Hollywood to work their acting magic and most of them are successful, but do you know that there is a trend of going from Bollywood to Hollywood. Who started it after all? After all, who was the actor who went to Hollywood for the first time? Let us tell you in this article about the first Indian actor to work in Hollywood. Who was the first actor to work in Hollywood?- Sailor Sabu, also known as Sabu Dastagir, born on 27 January 1924. He was a resident of Mysore. His father was a mahout. Like his father, Sabu also had the skill of riding elephants. For this reason he got a chance to appear in films for the first time. Yes, after seeing Sabu riding an elephant, a well-known Hollywood filmmaker had decided in his mind that he would give him a chance in his films. Sabu Dastagir made his debut in Hollywood at the age of 11. Sabu Dastagir was only 9 years old. I lost my father. Born in a poor family, Sabu had to work as a mahout in the stables of the Maharaja of Mysore like his father to support his family. He used to look after the elephants in the stable. One day, Hollywood's veteran filmmaker Robert Flaherty went to the Maharaja's stable and his eyes fell on Sabu. Robert was so impressed by seeing Sabu riding elephants that he asked him to do the same for his upcoming British film 'Elephant Boy'. Cast for. At that time he was only 11 years old. At the age of 13, the actor debuted in Hollywood and became famous with his very first film. Sabu showed his strength in these Hollywood films. Sabu played many important roles in Hollywood and hoisted the flag of success all over the world. He has worked in many films like 'The Drum', 'The Thief of Baghdad', 'Jungle Book' (Mowgli), 'Arabian Nights', 'Cobra Woman', 'The End of the River' and 'The Treasure of Bengal'. Did. He ruled Hollywood for almost two and a half decades. Worked in the American Air Force - Sabu had taken American citizenship in the year 1944. After this he also joined the US Air Force. He fought for America in World War II. He served as a gunner in the B-24 Liberator bomber and served as a member of the 370th Bombardment Squadron. Sabu was also honored with the Distinguished Flying Cross Award for his bravery. Even though people started recognizing Sabu for his bravery after the Second World War, the graph of his film career was going down. He was not getting the same success as he got in British films. The dream of working in Hindi films remained unfulfilled - even though Sabu was an Indian and he created the magic of his acting all over the world, he could not work in his own country. Sabu was offered the role of main lead Birju for Mehboob Khan's 'Mother India', released in 1957, but when he did not get a work permit from the Government of India, he lost such a big film. . Later the role of Birju fell in Sunil Dutt's lap. If Sabu had done 'Mother India', it would have been his first Hindi film. Sabu Dastagir's personal life - Sabu married actress Marilyn Cooper in the year 1948, with whom he has a son Paul Sabu and daughter Jasmine Sabu. Paul had established a band named Rock Band Sabu in the year 1980. At the same time, Jasmine was an animal trainer in the motion picture industry. Said goodbye to the world at the age of 39 - When the doors closed for Sabu in Hindi films, he again made a comeback in Hollywood. She returned to the screen with a supporting role in 'Rampage' opposite Robert Mitchum. Then he appeared in 'A Tiger Walks'. This was his last film. He died suddenly of a heart attack three months before its release.